हिंदी दैनिक
# नागपुर मेट्रो समाचार
BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शनिवार, 18 जनवरी 2025 | अंक 97/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक
क्या आप जोड़े के दर्द से परेशान हो ?
•जोड़ों का दर्द •गठियावात •सन्धिशोथ •सरवाइकल पेन
पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।
तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअस्नेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।
नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.
फोन 9112079000 / 8605245080
आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

# मनु भाकर-डी गुकेश सहित 4 खिलाड़ियों को मिला खेल रत्न अवॉर्ड

**34 अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित**

**'मनु भाकर और डी गुकेश सहित चार खिलाड़ियों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खेल रत्न अवॉर्ड से नवाजा. राष्ट्रपति भवन में पुरस्कार दिए गए. इसके अलावा 34 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार मिला.'**

**नई दिल्ली.** पेरिस ओलंपिक 2024 में दो मेडल जीतने वाली मनु भाकर और टीनएज वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश सहित चार भारतीय खिलाड़ीयों को प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड से नवाजा गया. राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खिलाड़ीयों को पुरस्कार दिया. इसके अलावा पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को अवॉर्ड दिया गया. मनु भाकर ने 2024 पेरिस ओलंपिक में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे, जिसमे एक मेडल उन्होंने सिंगल वुमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में जीता था. वहीं दूसरा मेडल मिक्स्ड 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में जीता था. वहीं डी गुकेश ने सबसे कम उम्र में वर्ल्ड चेस चैंपियन बनने का खिताब अपने नाम किया था. गुकेश ने चीन के ग्रैंडमास्टर डिंग लिरेन को हराकर ऐतिहासिक जीत अपने नाम की थी. गुकेश ने सिर्फ 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चैंपियन बने थे.

## 34 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड

ज्योति याराजी- एथलेटिक्स, अन्नु रानी- एथलेटिक्स, नीतू- मुक्केबाजी, स्वीटी - मुक्केबाजी, वंतिका अग्रवाल- शतरंज, सलिमा टेटे- हॉकी, अभिषेक- हॉकी, संजय - हॉकी, जर्मनप्रीत सिंह- हॉकी, सुखजीत सिंह- हॉकी, राकेश कुमार- पैरा-तीरंदाजी, प्रीति पाल- पैरा-एथलेटिक्स, सचिन सरजेराव खिलारी- पैरा एथलेटिक्स, धर्मबीर- पैरा एथलेटिक्स, प्रणव सूर्मा- पैरा एथलेटिक्स, एच होकातो- सेमा पैरा एथलेटिक्स, सिमरन- पैरा एथलेटिक्स, नवदीप- पैरा एथलेटिक्स, थुलासिमाती मुरुगेसन- पैरा बैडमिंटन, नित्या श्री सुमाथी सिवान- पैरा बैडमिंटन, मनीषा रामदास- पैरा बैडमिंटन, कपिल परमार- पैरा जूडो, मोना अग्रवाल- पैरा निशानेबाजी, रुबीना फ्रांसिस- पैरा निशानेबाजी, स्वप्निल सुरेश कुसाले- निशानेबाजी, सरबजोत सिंह- निशानेबाजी, अभय सिंह- स्क्वाश, साजन प्रकाश- तैराकी, अमन सहवारत- कुश्ती, सुचा सिंह (लाइफ टाइम)- एथलेटिक्स, मुरलीकांत (लाइफ टाइम)- राजाराम पेटकर पैरा तैराक. 5 कोचों को द्रोणाचार्य अवॉर्ड: सुभाष राणा- पैरा निशानेबाजी (नियमित), दीपाली देशपांडे- निशानेबाजी (नियमित), संदीप सांगवान- हॉकी (नियमित), एस मुरलीधरन- बैडमिंटन (लाइफटाइम), अरमांडो एगनेलो कोलाको- फुटबॉल (लाइफटाइम).

मनु भाकर

हरमनप्रीत सिंह

प्रवीण कुमार

डी गुकेश

### क्रिकेट को नहीं मिला कोई पुरस्कार

इस बार खेल रत्न और ध्यानचंद खेल रत्न में जो पुरस्कार दिए गए, उसमें क्रिकेट के किसी भी खिलाड़ी को नहीं शामिल किया गया. जो बात हैरान करने वाली थी. वहीं कोच की श्रेणी में क्रिकेट से जुड़े किसी शख्स का नाम शामिल नहीं रहा. खेल रत्न पुरस्कार पाने वाले को एक मेडल, प्रशस्ति पत्र और 25 लाख रुपये नकद मिलते हैं, जबकि अर्जुन पुरस्कार में 15 लाख रुपये नकद, अर्जुन की मूर्ति और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है.

### हरमनप्रीत सिंह और प्रवीण कुमार

पुरुष भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह 2024 पेरिस ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे. इसके अलावा टोक्यो ओलंपिक में भी हरमनप्रीत ब्रॉन्ज जीतने वाली टीम का हिस्सा थे. वहीं हाई जम्पर प्रवीण कुमार की बात करें तो उन्होंने 2024 पेरिस पैरालंपिक में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था. इसके अलावा टोक्यो पैरालंपिक में प्रवीण कुमार ने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया था. बताते चलें कि जन्म से ही प्रवीण कुमार का बायां पैर छोटा था.

पेज 7 भी देखें

# मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खलिफ बड़ी कार्रवाई

## करप्शन केस में ईडी ने अटैच की 300 करोड़ की संपत्ति

**बेंगलुरू.**

समोसा कांड की वजह से हमिचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार घेरे में थी ही, अब एक और मुख्यमंत्री पर आफत आन पड़ी है. प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनसे जुड़े कई लोगों के खलिाफ बड़ी कार्रवाई की है. ईडी ने करप्शन के आरोप में इन लोगों की 142 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच कर लिया है. इन संपत्तियों की कुल कीमत 300 करोड़ रुपये बताई जा रही है. दरअसल, मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी में हुए प्लाट आवंटन घोटाले को लेकर लोकायुक्त पुलसि ने करप्शन के आरोप में एफआईआर दर्ज की थी. उसी के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट में ये कार्रवाई की है. सिद्धारमैया की पत्नी बीएम पार्वती को 14 जगहों पर प्लॉटों का आवंटन किया था. अथॉरिटीने कथित तौर पर उनकी 3.16 एकड़ जमीन पर अवैध तौर पर कब्जा कर लिया था. यह जमीन उनके भाई बीएम मल्लिकार्जुनस्वामी ने 20 साल पहले तोहफे में दी थी.

### छापेमारी में बड़े खुलासे

जांच के दौरान ईडी ने पाया कि एमयुडीऐ की ओर से केवल सिद्धारमैया की पत्नी बीएम पार्वती को ही नहीं, बल्कि कई अन्य रियल एस्टेट व्यवसायियों को भी अवैध तरीके से मुआवजे के रूप में साइटें आवंटित की गईं. इन साइटों को बेचकर बड़े पैमाने पर ब्लैक मनी जमा की गई. इस धन को वैध दिखाने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग का सहारा लिया गया. बेनामी व्यक्तियों के नाम पर साइटों का आवंटन हुआ.

# मुख्यमंत्री फड़णवीस राज्य में विदेशी निवेश पर जोर देंगे

**मुंबई.**

राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस 20 से 24 जनवरी तक दावोस में वर्ल्ड आइकॉनिक फोरम में हिस्सा लेंगे। इसके लिए वे 19 तारीख को सुबह-सुबह मुंबई से रवाना होंगे. महाराष्ट्र में विदेशी निवेश लाने के लिहाज से मुख्यमंत्री का यह दौरा काफी अहम होने वाला है. इससे पहले देवेन्द्र फड़णवीस ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान दावोस में वर्ल्ड आइकॉनिक फोरम में 3 बार हिस्सा लिया था। उस समय औद्योगिक विकास के मामले में महाराष्ट्र पांचवें स्थान से पहले स्थान पर आ गया था। 2014-19 के दौरान राज्य में दो बार मैग्नेटिक महाराष्ट्र का आयोजन किया गया। अब भी इस दौरे में मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के दावोस दौरे में कई कार्यक्रम होंगे. वह विश्व के कई नेताओं से भी मुलाकात करेंगे. इस दौरे पर उद्योग मंत्री उदय सामंत के साथ एमआईडीसी, एमएमआरडीए, सिडको अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी उनके साथ रहेगा। दौरे के दौरान डेटा सेंटर, ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर, ईवी, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्टील, खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा, फार्मास्यूटिकल्स और बुनियादी ढांचे आदि क्षेत्रों में बड़ी संख्या में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। यह दौरा महाराष्ट्र को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश लाने का प्रयास होगा और रोजगार सृजन के उद्देश्य को भी हासिल करेगा। महाराष्ट्र ने हाल ही में विभिन्न नीतियों की घोषणा की है, जिसे वह विभिन्न व्यावसायिक बैठकों में भी प्रस्तुत करेंगे। मुख्यमंत्री फड़नवीस अपने दावोस दौरे के दौरान महाराष्ट्र के समग्र विकास को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे।

### संतुलित विकास पर जोर

इस बीच, राज्य में निवेश लाते समय या बुनियादी ढांचे का विकास करते समय, हमने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि सर्वांगीण विकास कैसे किया जाए और क्षेत्रीय संतुलन कैसे बनाए रखा जाए। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने बताया कि इस दावोस दौरे में भी हमारी कोशिश होगी कि महाराष्ट्र के सभी क्षेत्रों और सभी विभागों में कैसे निवेश आये.

# रूसी सेना में लड़ रहे 12 भारतीयों की मौत

**नई दिल्ली.**

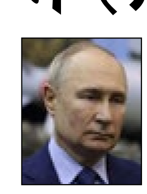

रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है। इस बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि रूस ने भारत को सूचित किया है कि रूसी सेना में सेवा दे रहे 16 भारतीय लापता हैं। मंत्रालय ने कहा कि रूसी सेना में कार्यरत भारतीय नागरिकों को वापस भेजे जाने का आग्रह किया गया है। इसने कहा कि रूसी सेना में कार्यरत 12 भारतीयों की अब तक मौत हो चुकी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, "126 मामले (रूस की सेना में भारतीय नागरिकों के काम करने के) हैं। इन 126 में से 96 लोग भारत लौट आए हैं और रूसी सशस्त्र बलों से उन्हें मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा, "रूस की सेना में अब भी 18 भारतीय नागरिक हैं जिनमें से 16 का अता-पता नहीं है।" जायसवाल ने कहा, "रूस ने इन्हें लापता की श्रेणी में रखा है। जो अब भी सेना में हैं हम उन्हें मुक्त करने और वापस भेजे जाने की मांग करते हैं।" बता दें कि, हाल ही में रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग में केरल के रहने वाले एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी।

केरल के त्रिशूर के रहने वाले 32 वर्षीय बिनिल बाबू रूस की सेना में भर्ती थे और वह यूक्रेन के खिलाफ लड़ रहे थे। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस मामले को रूसी सरकार के समक्ष उठाया था। मंत्रालय ने कहा था कि भारत ने रूसी सेना में शामिल किए गए देश के अन्य लोगों को भी जल्द भारत भेजने की अपनी मांग दोहराई है। बीते साल अगस्त में इस मुद्दे को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से आश्वासन मिला है कि जो भी भारतीय नागरिक रूसी सेना की सेवा में है, उन्हें सेवा से हटाकर बाहर कर दिया जाएगा। भारत का इस पूरे मामले पर रुख पहले से ही स्पष्ट है और रूस के सामने इस मुद्दे को उठाया जा चुका है।

# इमरान खान को 14 साल की जेल

**इस्लामाबाद.**

पाकिस्तान की एक अदालत ने अल कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को सजा सुनाई. इमरान को 14 साल और बुशहर को 7 साल की सजा सुनाई गई है. इन दोनों पर राष्ट्रीय खजाने को 50 अरब पाकिस्तानी रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप है. इमरान खान को 9 मई को अल-कादिर ट्रस्ट मामले में गिरफ्तार किया गया था।

# वार्षिक टोल पास शुरू करने का विचार: नितीन गडकरी

**नई दिल्ली.** केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कार्यक्रम के दौरान घोषणा की कि भारत सरकार निजी वाहनों के लिए मासिक और वार्षिक टोल पास शुरू करने पर विचार कर रही है। इस कदम का उद्देश्य देश की टोल प्रणालियों का आधुनिकीकरण करते हुए निजी वाहन मालिकों पर वित्तीय और रसद बोझ को कम करना है। वर्तमान में, निजी वाहन कुल टोल राजस्व में केवल 26 प्रतिशत का योगदान देते हैं, जबकि शेष 74 प्रतिशत वाणिज्यिक वाहनों द्वारा उत्पन्न होता है। गडकरी ने इस उपाय की व्यवहार्यता पर जोर देते हुए कहा, हम निजी वाहनों के लिए मासिक या वार्षिक पास पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि इससे समग्र राजस्व पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। सुविधा को और बढ़ाने के लिए, मंत्रालय टोल बूथों को गांवों की सीमाओं के बाहर स्थानांतरित करने की योजना बना रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों के लिए राजमार्ग यातायात में व्यवधान कम हो जाएगा।

# पति-पत्नी को फांसी की सजा

**लखनऊ.**

यूपी के लखनऊ में अजय सिंह और उसकी पत्नी रूपा को आयुर्वेद घोटाले की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है. 16 दिसंबर को कोर्ट ने अजय सिंह और रूपा को दोषी ठहराया था. दोनों दोषियों को कोर्ट ने 10 जनवरी को जेल से तलब किया था. कोर्ट ने जिला प्रोबेशन अधिकारी से दोनों दोषियों के आचरण, पारिवारिक पृष्ठभूमि की रिपोर्ट तलब की थी. आपको बता दें कि 1 मई 2020 को अजय की बहन गुड्डी ने मामले की रिपोर्ट बंथरा थाने में दर्ज कराई थी. रिपोर्ट के मुताबिक, 30 अप्रैल 2020 को अजय, उसकी पत्नी रूपा और उनके नाबालिग बेटे साजिश के तहत पिता अमर सिंह, माता राम दुलारी, भाई अरुण सिंह, भाभी रामसखी, भतीजे सौरभ, भतीजी सारिका की गंडासे से गर्दन काटकर और गोली मारकर हत्या कर दी. दरअसल, अजय सिंह अपने पिता से रुपयों की मांग करता था. अजय को शक था कि पिता अपनी जमीन बेचकर सारा पैसा छोटे भाई अरुण और उसकी पत्नी रामसखी को दे देंगे. माता-पिता समेत 6 परिजनों की हत्या के दोषी पति-पत्नी को फांसी की सजा सुनाते हुए कोर्ट ने डेढ़-डेढ़ लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है. आयुर्वेद घोटाले की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने अजय सिंह और उसकी पत्नी रूपा को फांसी की सजा सुनाई है.

# 31 से शुरू होगा संसद का बजट सत्र

**नई दिल्ली.**

संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा. पहले दिन राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा और 1 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा. बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा चरण 10 मार्च से 4 अप्रैल तक चलेगा. इस दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश का आठवां बजट पेश करेंगी. हर बार की तरह इस बार भी एक फरवरी को वित्त मंत्री आम बजट पेश किया जाएगा. इस दौरान संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक के बाद आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा. बजट सत्र का दूसरा चरण 10 मार्च से 4 अप्रैल तक चलेगा. सत्र के दौरान दिल्ली चुनाव के दिन संसद में कार्यवाही नहीं की जाएगी. वहीं 3 फरवरी के बाद से राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर चर्चा शुरू की जाएगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का यह पहला बजट सत्र होगा. मोदी सरकार अठारहवीं लोकसभा चुनाव के बाद पूर्ण बजट पेश करेगी. वहीं इसके पहले हुए शीतकालीन सत्र में भारी हंगामा हुआ था. संसद के शीतकालीन सत्र का ज्यादातर हिस्सा हंगामे की भेंट चढ़ गया था. उस दौरान सत्र के शुरुआती चार दिन सदन की कार्रवाई स्थगित रही थी. शुरुआत में अदानी के मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया और फिर आखिरी हिस्से में आंबेडकर के मुद्दे पक्ष और विपक्ष के प्रदर्शन के दौरान धक्का मुक्की तक हो गई. हालांकि, बजट सत्र के दौरान हंगामे के फ़िलहाल आसार नहीं दिख रहे हैं. चुनौती कांग्रेस के सामने बिखरते नजर आ रहे इंडिया गठबंधन को एकजुट रखने की होगी.

# प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट का सख्त निर्देश

**नई दिल्ली.** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वायु प्रदूषण का बढ़ना एक 'विकट' समस्या है और इससे निपटने के लिए जो उपाय आवश्यक हैं, वे भी 'कठोर' होने चाहिए। इसके साथ ही कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा सरकार से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अपने इलाकों में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की बात कही। न्यायमूर्ति ए एस ओका तथा न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने इस तथ्य पर गौर किया कि दिल्ली की तरह राजस्थान सरकार ने भी राज्य के एनसीआर क्षेत्रों में पटाखों की बिक्री तथा फोड़ने पर स्थायी तथा पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है तथा उत्तर प्रदेश तथा हरियाणा से भी ऐसा ही करने को कहा।

पीठ ने कहा कि जब तक ये दोनों राज्य आदेश पारित नहीं कर देते, तब तक पटाखों पर प्रतिबंध लगाने संबंधी उसका पूर्व निर्देश मामले की अगली सुनवाई की तिथि, जो 24 मार्च है, तक बढ़ा दिया जाएगा। पीठ ने कहा, पर्यावरणीय समस्याएं विकट हैं, इसलिए कठोर उपायों की आवश्यकता है। साथ ही कहा कि न्यायालय को कार्रवाई करनी होगी तथा कठोर आदेश पारित करने होंगे, क्योंकि सरकार के अन्य अंग इससे परेशान नहीं हैं। पीठ ने कहा कि वह अगली तारीख पर पटाखों के निर्माण और बिक्री में शामिल फर्मों पर प्रतिबंध के खिलाफ याचिकाओं पर भी सुनवाई करेगी।

# पुणे-नासिक राजमार्ग पर भीषण दुर्घटना, 9 की मौत

## ओवरटेक करने के प्रयास में आयशर टेम्पो मैक्सिमो से टकरा गया

**नासिक.**

पुणे नासिक हाईवे पर नारायणगांव के पास भीषण हादसा हुआ है. इसमें आयशर और एसटी के बीच आकर मैक्सिमो कार पिचक गयी है. बताया गया है कि इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई. मरने वालों की संख्या और बढ़ने की आशंका है.

प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, यह अजीब हादसा नासिक-पुणे हाईवे पर आयशर टेंपो, मैक्सिमो पैसेंजर कार और एसटी के बीच हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आयशर टेम्पो ओवरटेक करने की कोशिश कर रही थी तभी मैक्सिमो कार से उसकी टक्कर हो गई। इसमें मैक्सिमो कार चकनाचूर हो गयी है. इस ट्रेन में सवार सभी 11 यात्री गंभीर रूप से घायल हैं. इन यात्रियों का नारायणगांव के एक ग्रामीण अस्पताल में इलाज चल रहा है. हादसे की जानकारी मिलने पर स्थानीय नागरिक और पुलिस पहुंची और घायलों को तुरंत निजी और सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया। फिलहाल उनका इलाज चल रहा है. प्रशासन ने यह भी बताया कि इनमें से कुछ की हालत गंभीर है. इस संबंध में प्राप्त अतिरिक्त जानकारी के अनुसार, यह मैक्सिमो ट्रेन पुणे-नासिक राजमार्ग पर यात्रा करते समय एसटी के पीछे यात्रा कर रही थी। उसके पीछे एक आयशर कार चल रही थी। लेकिन आयशर ने जोरदार टक्कर मारी तो मैक्सिमो कार बस से जा टकराई। दोनों कारों के बीच में आ जाने से मैक्सिमो कार में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये.

### मृतकों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 5 लाख रुपये

'यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पुणे-नासिक राजमार्ग पर नारायणगांव के पास एक भीषण दुर्घटना में 9 श्रमिकों की मृत्यु हो गई। मैं उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।' हम उनके परिवारों के दुख में शामिल हैं।' हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। मृतकों के वारिसों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा, मैंने पुणे के पुलिस अधीक्षक को घायलों के इलाज का उचित ध्यान रखने के लिए कहा है।

# देश की वृद्धि दर 6.7 फीसदी रहेगी

## विश्व बैंक ने लगाया अनुमान

**नई दिल्ली.**

विश्व बैंक ने भारत की वृद्धि दर को लेकर अहम अनुमान जारी किए हैं। इसके मुताबिक, भारत की वृद्धि दर आगामी दो वित्तीय वर्षों में 6.7 फीसदी रहेगी। विश्व बैंक के दक्षिण एशिया के नवीनतम वृद्धि अनुमानों के अनुसार अप्रैल 2025 से आगामी दो वित्तीय वर्षों के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत प्रति वर्ष पर स्थिर रहने का अनुमान है। विश्व बैंक ने गुरुवार को बताया कि

वित्त वर्ष 2025-26 में दक्षिण एशिया में वृद्धि दर बढ़कर 6.2 फीसदी होने की उम्मीद है। इसमें भारत में मजबूत वृद्धि होना शामिल है। इसमें कहा गया

❑ वित्त वर्ष 2024-25 यानी अप्रैल 2024 से मार्च 2025 में भारत की वृद्धि दर घटकर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो निवेश में मंदी तथा विनिर्माण क्षेत्र की कमजोर वृद्धि को दर्शाता है। भारत के अलावा इस क्षेत्र में 2024 में वृद्धि दर बढ़कर 3.9 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है। यह मुख्य रूप से पाकिस्तान और श्रीलंका में सुधार को दर्शाता है, जो आर्थिक कठिनाइयों को दूर करने के लिए अपनाई गई बेहतर व्यापक आर्थिक नीतियों का परिणाम है।

कि भारत में अप्रैल 2025 से आगामी दो वित्त वर्षों में वृद्धि दर 6.7 फीसदी प्रति वर्ष पर स्थिर रहने का अनुमान है। बैंक ने बताया कि सेवा क्षेत्र में निरंतर विस्तार होने की उम्मीद है। विनिर्माण गतिविधि मजबूत होगी, जिसे कारोबारी माहौल में सुधार के लिए सरकार की पहलों का समर्थन प्राप्त होगा। निवेश वृद्धि स्थिर रहने का अनुमान है तथा निजी निवेश में वृद्धि से सार्वजनिक निवेश में नरमी की भरपाई होगी।

# बीगॉस ने भारत वैल्यू फंड से 161 करोड़ रुपये जुटाए

**मुंबई.**

आरआर ग्लोबल के प्रमोटरों से संबंधित और जीवनशैली को बेहतर बनाने वाले मोबिलिटी सॉल्यूशन बीगॉस ने आज घोषणा की कि उसने नए फंडिंग राउंड में 161 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसमें प्राइमरी और सेकंडरी पूंजी दोनों शामिल हैं। इस राउंड में एकमात्र निवेशक भारत वैल्यू फंड (बीवीएफ) है, जो एक प्रमुख मिड-मार्केट ग्रोथ इन्वेस्टमेंट हाउस है। बीगॉस का लक्ष्य इस पूंजी का उपयोग अपनी विकास रणनीतियों को तेज करने, भारत और विदेशों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने और आगामी उत्पाद लॉन्च के लिए अपनी रिसर्च और डेवलपमेंट इकाई को मजबूत करने के लिए करना है।

कंपनी इस निवेश से अपने दो नए इलेक्ट्रिक दोपहिया उत्पादों के लॉन्च, मार्केटिंग और विस्तार प्रयासों को और तेज करेगी। साथ ही, बीगॉस भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेगमेंट में टॉप 5 कंपनियों में शामिल होने के अपने लक्ष्य को भी पूरा करने की दिशा

में काम कर रहा है। कंपनी ने अपने डीलरशिप नेटवर्क को 120 से बढ़ाकर 500 तक करने और देशभर में 1,000 से अधिक टचपॉइंट्स स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में, कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता 100,000 यूनिट्स प्रति वर्ष है, जिसे बढ़ाने की योजना है। भारत वैल्यू फंड की सीआईओ, सुश्री मधु लूनावत ने कहा, "हम बीगॉस के साथ साझेदारी करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह निवेश पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यवसायों को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। हम भविष्य में सस्टेनेबल मोबिलिटी के क्षेत्र में बीगॉस के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं। बीगॉस के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर हेमंत काबरा ने कहा, "भारत वैल्यू फंड के साथ इस साझेदारी से हम अपने विकास के अगले चरण में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बीगॉस अपनी इन-हाउस टेक्नोलॉजी टीम द्वारा पावरट्रेन और बैटरी तकनीक में प्रोप्राइटरी कम्पोनेंट्स को लगातार बेहतर बना रहा है। वर्तमान में, कंपनी के पास 40,000 से अधिक ग्राहक हैं और वह भारत के शीर्ष सात इलेक्ट्रिक दोपहिया ब्रांडों में शामिल है। बीगॉस अब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी विस्तार कर रहा है, और यूरोप तथा सार्क देशों को अपने पहले अंतरराष्ट्रीय गंतव्य के रूप में लक्षित कर रहा है।

# इनोवेशन को नई दिशा दे रहा है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

**नई दिल्ली.** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का तेजी से विकास और आधुनिक प्रणालियों में इसका समावेश हमारे जीवन और कार्यशैली को पूरी तरह से बदल रहा है। आम जिंदगी के कार्यों को स्वचालित बनाने से लेकर क्रांतिकारी इनोवेशन प्रस्तुत करने तक, एआई एक ऐसे भविष्य को गढ़ रहा है जिसकी कल्पना पहले की ही नहीं जा सकती थी। इस बदलाव का नेतृत्व कर रहे हैं एआई विशेषज्ञ निकुंज कोटेचा। दूरदर्शी सोच के साथ उनके कार्य नए इनोवेशन पेश करने के साथ-साथ समुदाय को प्रेरित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। निकुंज का एआई और मशीन लर्निंग (एमएल) का सफर एक मजबूत शैक्षिक पृष्ठभूमि से शुरू हुई। उन्होंने न्यूयॉर्क, अमेरिका के रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से कंप्यूटर साइंस में मास्टर ऑफ साइंस किया। एआई एक ऐसा क्षेत्र है जो हर दिन विकसित होता है। निरंतर सीखना मुझे अग्रणी बने रहने और अभिनव एवं प्रभावशाली समाधान प्रस्तुत करने में सक्षम बनाता है। 2018 से 2020 तक, निकुंज RIT के मशीन लर्निंग लैब में एक विशिष्ट रिसर्च असिस्टेंट रहे। उन्होंने नवीनतम ट्रांसफॉर्मर एआई मॉडल का उपयोग कर अमेरिकन साइन लैंग्वेज वीडियो अनुवाद के लिए अभिनव एआई समाधान विकसित किए। उनकी पद्धति उस समय इस क्षेत्र में सबसे सटीक थी। उन्होंने इस पद्धति पर आधारित "डीप लर्निंग मेथड्स फॉर साइन लैंग्वेज ट्रांसलेशन" और "डायनेमिक क्रॉस फीचर फ्यूजन फॉर अमेरिकन साइन लैंग्वेज ट्रांसलेशन" नामक शोध पत्र प्रकाशित किए, जो एआई समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान साबित हुए।

# अब ब्लिंकिट, जेप्टो पर नहीं मिलेंगे छोटे पैकेट वाले सामान

**नई दिल्ली.**

क्विक कॉमर्स जैसे ब्लिंकिट, जेप्टो आदि का विस्तार जोरो शोरो से हुआ है. लोग छोटी से बड़ी चीजें इन ऐप के जरिए मंगवाते है. एक तरफ जहां इससे लोगों का जीवन आसान हो रहा है. वहीं दूसरी तरफ छोटे व्यापारी इसका शिकार हो रहे है. इसी को देखते हुए कंपनियों ने एक बड़ा फैसला लिया है. इस फैसले से छोटी दूकानदार और व्यापारियों काफी मदद मिलेगी.

दरअसल कंपनियों जैसे हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, पारले प्रोडक्ट्स और अदानी विल्मर आदि ने अपने छोटे पैकेजिंग वाले प्रोडक्ट्स को क्विक कॉमर्स पर बेचना बंद कर देगी. इस फैसले पीछे का सबसे बड़ा कारण छोटे दुकानदारों का काम आसान करना है. ये कंपनियां क्विक कॉमर्स के लिए अलग-अलग कीमतों पर पैक लॉन्च करेगी. इसके लिए

काम शुरू कर दिया गया है.

पारले ने क्विक कॉमर्स के लिए पारले-जी, हाइड एंड सीक, क्रैक जैक और मोनाको जैसे बड़े ब्रांडों के अलग-अलग पैक लॉन्च किए हैं. इसकी कीमत 50-100 रुपए है. वहीं 30 रुपए तक की कीमत वाले छोटे बिस्कुट पैक केवल किराना दुकानों पर मौजूद होंगे. रिलायंस और डी मार्ट से लोग एक महीने या बल्क में समान ले जाते है ऐसे में यहां 120-150 की कीमत वाले पैक बेचा जाएगा. आईटीसी ने एंगेज परफ्यूम, सेवलॉन हैंड वॉश और मंगलदीप अगरबत्ती सहित कई बड़े ब्रांडों के लिए अलग-अलग क्विक कॉमर्स पैक लॉन्च किए हैं. देश की सबसे बड़ी पैकेज्ड फूड तेल कंपनी, अदानी विल्मर, खाना पकाने के तेल और दालों जैसे स्टेपल दोनों के लिए क्विक कॉमर्स के लिए एक अलग ब्रांड लॉन्च करने जा रही है. वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर ने भी अलग-अलग पैकेज तैयार करना शुरू कर दिया है.

# गैलियम जनरेटर प्राप्त करने की घोषणा

**नागपुर.** अमेरिकन ऑन्कोलॉजी इंस्टीट्यूट (एओआई) - नांगिया स्पेशलिटी हॉस्पिटल नागपुर ने साथ मिलकर एक अत्याधुनिक गैलियम जनरेटर प्राप्त करने की घोषणा की है। यह अत्याधुनिक तकनीक प्रिसीजन मेडिसिन में एक नया अध्याय शुरू करती है, जिससे एओआई नागपुर को आण्विक स्तर पर कर्करोग का पता लगाने के लिए प्रगत गैलियम-आधारित पीईटी सीटी स्कैन सेवाएं प्रदान करने का अवसर मिलेगा । जनवरी 2025 से, न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग गैलियम-लेबल्ड पीईटी सीटी स्कैन की अत्यधिक विशिष्ट सेवाएं प्रदान करेगा, जिससे कैंसर का पता लगाने, स्टेजिंग और उपचार योजना की सटीकता में वृद्धि होगी। इन सेवाओं में विभिन्न प्रकार के कर्करोग के लिए विशिष्ट विकल्प शामिल हैं। पीएसएमए पीईटी सीटी स्कैन प्रोस्टेट कर्करोग का पता लगाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, इसके अतिरिक्त, पेंटिक्साफ़ोर पीईटी सीटी स्कैन का उपयोग लो-ग्रेड लिंफोमा, माल्टोमा और मल्टीपल मायेलोमा

का निदान करने के लिए किया जाता है, और एक्सेंडिन पीईटी सीटीस्कैन इन्सुलिनोमा का पता लगाने पर केंद्रित है। हरिश त्रिवेदी, सीईओ, सीटीएसआई-दक्षिण एशिया, ने इस उपलब्धि पर बात करते हुए कहा, "एओआई नागपुर में गैलियम पीईटी सीटीस्कैन की शुरुआत, कर्क रोग के उपचार में नवीनतम तकनीकों के उपयोग के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को उजागर करती है। डॉ. रोहित काकडे, सीनियर कन्सल्टेंट, न्यूक्लियर मेडिसिन, एओआई नागपुर ने इस विकास के महत्व को साझा करते हुए कहा, "गैलियम-आधारित पीईटी सीटी स्कैन हमें कर्करोग का पता उसकी शुरुआती अवस्था में आण्विक स्तर पर देखने की क्षमता प्रदान करता है। यह न केवल सही निदान सुनिश्चित करता है, बल्कि प्रत्येक मरीज की आवश्यकताओं के अनुसार सटीक उपचार योजना भी बनाता है। डॉ. हृषिकेश फाटे, ज़ोनल डायरेक्टर, सेंट्रल ईस्ट रीजन, एओआई नागपुर ने कहा, "गैलियम जनरेटर तकनीक के जुड़ने के साथ, एओआई नागपुर अब दुनिया भर में उपलब्ध सबसे उन्नत निदान सेवाएं देने के लिए तैयार है। यह पहल हमारे मध्य भारत में विश्व स्तरीय ऑन्कोलॉजी देखभाल प्रदान करने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है। डॉ. अमित धवन, रीजनल चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, एओआई नागपुर ने जोर देते हुए कहा, "एओआई में, हम रोगी-केंद्रित उपचार पर विश्वास करते हैं।

# नए टैक्स रिजीम में बचत-निवेश पर टैक्स छूट की मांग

## बैंक डिपॉजिट पर बीमा कवर की बढ़े लिमिट

**नई दिल्ली.**

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश होने में केवल 15 दिन रह गए हैं. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट को अंतिम रूप देने में जुटी हैं. अलग-अलग स्टेकहोल्डर्स वित्त मंत्री को बजट में अपनी मांगों की फेहरिस्त सौंप रहे हैं. अब बैंक डिपॉजिटर्स की गाढ़ी कमाई को सुरक्षा कवच देने के लिए 5 लाख रुपये से ज्यादा के डिपॉजिट्स पर भी

बीमा कवर देने की मांग की गई है. फिलहाल बैंक कस्टमर्स के जितने भी पैसे बैंक में जमा हों उनके 5 लाख रुपये तक के जमा पर ही बीमा कवर मिलता है. 5 लाख से ज्यादा जमा राशि के लिये भी डिपाजिट बीमा की मिले सुविधा वॉयस ऑफ बैंकिंग के फाउंडर और पूर्व बैंकर अशवनी राणा ने नित्त मंत्री को वित्त वर्ष 2025-26 के बजट के लिए बैंकों ग्राहकों और बैंक कर्मचारियों के हितों से जुड़े सुझाव सौंपे हैं. जिसमें बैंक डिपॉजिट्स पर मिलने वाले बीमा कवर की लिमिट को 5 लाख रुपये से बढ़ाने की मांग की गई है.

बैंक कस्टमर्स के सेविंग अकाउंट, रेकरिंग डिपॉजिट या फिक्स्ड डिपॉजिट को मिलाकर भले ही 5 लाख रुपये से ज्यादा बैंक में जमा हो लेकिन बैंक के डूबने पर केवल 5 लाख रुपये तक के डिपॉजिट पर बी बीमा कवर मिलता है. पहले ये केवल 1 लाख रुपये था जिसे कुछ साल पहले बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया गया था. अशवनी राणा ने वित्त मंत्री को सुझाव दिया, 98.3 फीसदी बैंक ग्राहक इस सुरक्षा कवच में आ जाते हैं, लेकिन जिन ग्राहकों की जमा राशि 5 लाख से अधिक है और उनको लगता है कि उनकी बैंकों में जमा राशि सुरक्षित नहीं है उनके लिए एक विशेष डिपाजिट बीमा की शुरुआत करनी चाहिए जिसके द्वारा ग्राहक 5 लाख से अधिक की अपनी जमा राशि को कुछ प्रीमियम देकर सुरक्षित रख सकते हैं. सरकार के इस कदम से ग्राहकों को राहत महसूस होगी वहीं ग्राहक अपनी जमापूंजी दूसरी जगह जेसे चिटफंड, क्रिप्टो करेंसी, शेयर मार्किट या ऐसे अन्य जगहों पर इन्वेस्ट करने की जगह बैंकों में पैसे रखने को तरजीह देंगे.

# तीन दिनों की बढ़त के बाद बाजार का मूड फिर बिगड़ा

**नई दिल्ली.**

घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन तीन दिनों की बढ़त गंवाकर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 423.49 अंक गिरकर 76,619.33 पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी 108.60 अंकों की गिरावट के साथ 23,203.20 के स्तर पर बंद हुआ। रुपया हफ्ते के आखिरी दिन डॉलर के मुकाबले एक पैसे की गिरावट के साथ 86.62 पर बंद हुआ। रिलायंस के शेयरों में तीसरी तिमाही के नतीजों के बाद 2.79 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। वहीं, विप्रो ने भी शुक्रवार को अपने नतीजे जारी कर दिए। प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी तीन दिन की तेजी के बाद शुक्रवार को नकारात्मक क्षेत्र में फिसल गए।

इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में बिकवाली चलते ये गिरावट आई। विदेशी पूंजी के लगातार बाहर जाने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से भी बाजार पर दबाव बढ़ा।

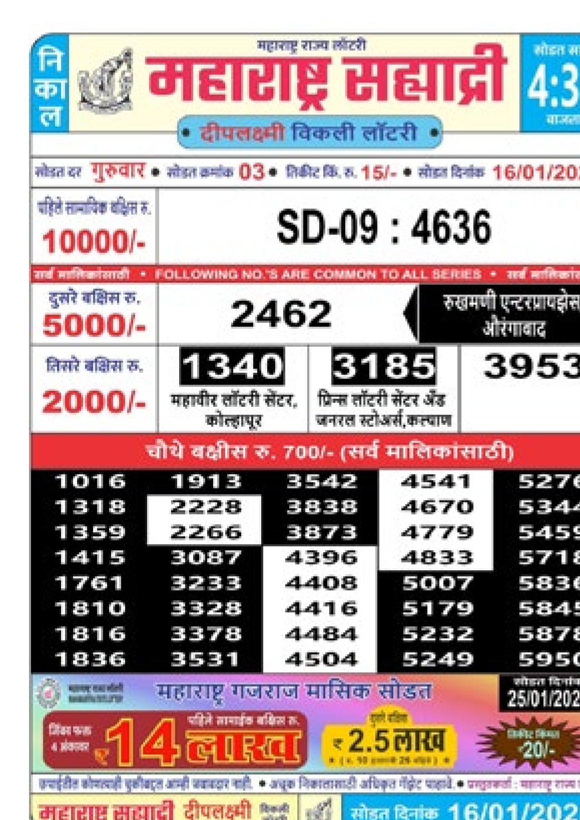


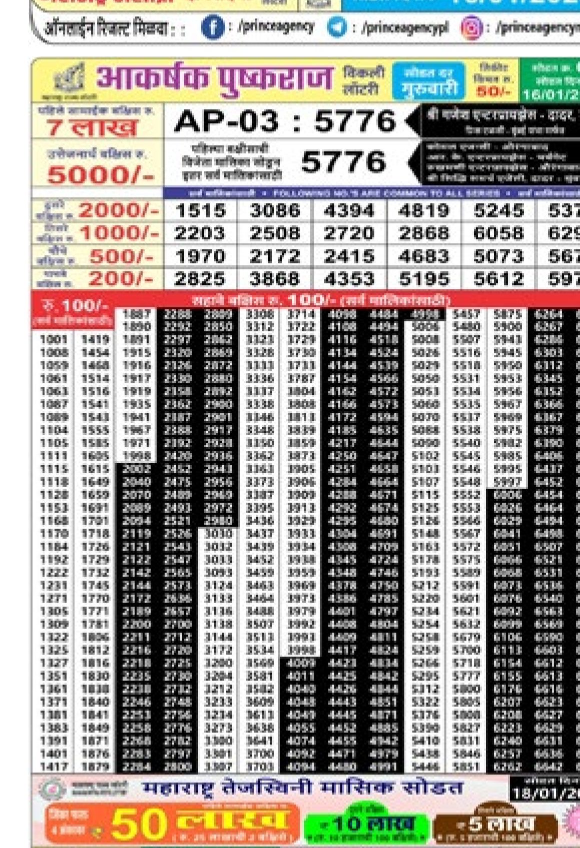


# यूटीआई म्यूचुअल फंड ने वित्तीय केंद्र खोलने की घोषणा की

**गोंदिया.** भारत की अग्रणी म्यूचुअल फंड कंपनियों में से एक यूटीआई एसेट मैनेजमेंट कंपनी (यूटीआई एएमसी) ने महाराष्ट्र के गोंदिया में ग्राउंड फ्लोर, आर एस निवास, ओल्ड बस स्टैंड रोड, केनरा बैंक के सामने, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, महाराष्ट्र, 441601 में अपना यूएफसी खोलने की घोषणा की है। कंपनी ने देश भर में वितरण और निवेशक तक अपनी पहुंच को मजबूत करने के लिए अपने केंद्रित विस्तार के हिस्से के रूप में 20 जनवरी 2025 को 33 नए यूटीआई फाइनेंशियल सेंटर (शाखाएं) खोलने की घोषणा की है।

इस विस्तार का उद्देश्य वित्तीय निवेश संबंधी सुविधाओं में सुधार करना और निवेशकों को बेहतर वित्तीय निर्णय लेने में मदद करना है। कार्यालयों का यह प्रसार देश भर में निवेशकों के साथ गहरे संबंध बनाने और अधिक समावेशी निवेश संस्कृति को बढ़ावा देने के यूटीआई एएमसी के चल रहे प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यूटीआई एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एमडी और सीईओ इम्तियाजुर रहमान ने कहा, “हम अपनी सेवाओं की पूरी रेंज को अपने ग्राहकों के करीब लाने के लिए रणनीतिक रूप से नए यूटीआई फाइनेंशियल सेंटर खोल रहे हैं, जिससे हमारी सेवाओं तक लोगों की निर्बाध पहुंच सुनिश्चित हो सके। पिछले कुछ वर्षों में म्यूचुअल फंड में व्यक्तिगत निवेशकों की बढ़ती भागीदारी, विशेष रूप से बी30 शहरों से, वास्तव में उल्लेखनीय और प्रेरणादायक रही है। यह विस्तार जागरूकता बढ़ाने और देश भर में व्यापक दर्शकों के लिए म्यूचुअल फंड निवेश को सुलभ बनाने के हमारे दीर्घकालिक को लेकर हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

# ट्रंप ने चीन में बनी चीजों पर टैरिफ बढ़ाया

**नई दिल्ली.** अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से व्यापार प्रतिबंधों के कारण भारत सहित अन्य एशियाई बाजारों में चीन अपने निर्यात को और आक्रामक कर सकता है। क्रिसिल ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। क्रिसिल के अनुसार, क्षेत्रीय और वैश्विक दोनों बाजारों में भारतीय निर्यातकों के लिए प्रतिस्पर्धा कड़ी हो सकती है। इससे भारत के निर्यात को बढ़ाने की संभावनाओं पर असर पड़ सकता है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति की ओर से चीनी वस्तुओं पर प्रस्तावित भारी टैरिफ अमल में आने से चीन की अर्थव्यवस्था में मंदी आ सकती है। अगर ऐसा होता है तो इससे ड्रैगन भारत सहित अन्य एशियाई बाजारों में अपने निर्यात का रुख आक्रामक करेगा।" अमेरिका और चीन के बीच का व्यापारिक तनाव वैश्विक व्यापार के लिए भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं का जोखिम पैदा करती रहती हैं। इस बीच, चालू वित्तीय वर्ष में भारत का व्यापार घाटा बढ़ गया है क्योंकि आयात लगातार निर्यात से आगे निकल रहा है। चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत का निर्यात प्रदर्शन अस्थिर रहा है। पहली तिमाही में जहां व्यापारिक निर्यात में स्थिर वृद्धि देखी गई, वहीं दूसरी तिमाही में इसमें गिरावट आई। अक्तूबर 2024 में थोड़ी रिकवरी हुई, लेकिन नवंबर और दिसंबर में निर्यात में फिर गिरावट आई। दिसंबर 2024 में, भारत का व्यापारिक निर्यात 4.8 प्रतिशत की गिरावट के बाद साल-दर-साल आधार पर 1 प्रतिशत घटकर 38.01 अरब डॉलर रह गया। यह गिरावट रत्न और आभूषण निर्यात (-26.5 प्रतिशत) और तेल निर्यात (-28.6 प्रतिशत) में महत्वपूर्ण कमी के कारण आई।

# 8वें वेतन आयोग में इतनी बढ़ सकती है पेंशन

## कर्मचारी कई दिनों से कर रहे थे मांग

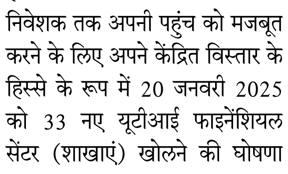

**नई दिल्ली.**

### पेंशन 9,000 से बढ़कर 25,740 हो सकती है

❑ कर्मचारियों के यूनियन की ओर से लगातार 2.86 फिटमेंट फैक्टर की मांग की जा रही है. अगर यह मांग स्वीकार कर ली जाती है. तो केंद्रीय कर्मचारियों की न्यूनतम पेंशन 9,000 रुपये से बढ़कर 25,740 रुपये हो सकती है. पेंशन का प्रिडेक्शन ही अभी किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की पेंशन 20 से 30 फीसदी तक बढ़ सकती है. हालांकि, पेंशन कितनी बढ़ेगी ये देश की आर्थिक स्थिति और बजट पर ज्यादा निर्भर करेगा.

8वें आयोग को लागू करने को लेकर केंद्रीय कर्मचारी कई दिनों से मांग कर रहे थे. आखिर में केंद्र सरकार ने उनकी मांग को मानते हुए 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी है. आठवां कमीशन साल 2026 से लागू किया जाएगा. आठवें पे कमीशन के अध्यक्ष और दो सदस्यों के नाम का भी जल्द ऐलान कर दिया जाएगा. 8वें वेतन आयोग के लागू होने के बाद केंद्रीय कर्मचारियों की पेंशन में कितना इजाफा होगा और पेंशन स्कीम पर इसका क्या असर पड़ेगा आइए समझते हैं. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 16 जनवरी 2025 को इसकी घोषणा की. उन्होंने कहा कि सरकार ने 8वें पे कमीशन को लागू करने का फैसला किया है और उसकी सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू होंगी. हालांकि अभी कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग के तहत ही पेंशन और तनख्वाह मिलती रहेगी. केंद्रीय कर्मचारियों की ओर से 8वें वेतन आयोग को लेकर कई सिफारिशें लागू की जाएंगी. केंद्रीय पेंशन स्कीम्स में बदलाव हो सकते हैं. हालांकि बदलाव कितनी फीसदी का होगा. अभी इस पर कुछ बोलना ठीक नहीं रहेगा. इसके अलावा एक एक्सपर्ट ने और बताया है कि केंद्रीय कर्मचारियों ने लगातार पेंशन स्कीम में बदलाव करने की मांग की है. कर्मचारियों और उनके संगठन ने पुरानी पेंशन स्कीम पर लौटने की डिमांड की है. ऐसे में हो सकता है कि 8वें वेतन आयोग में इन पेंशन स्कीम्स को लेकर फैसला आए.

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉंटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

# घट रही है चाचा-भतीजे के बीच की दूरी?

**मुंबई.**

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद से लगातार शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के टूटने की अटकलें और राज्य में फिर से बड़ा खेला होने की अटकलें लग रही हैं। इस सब के बीच गुरुवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार गुट के अध्यक्ष शरद पवार और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बारामती में मंच साझा किया। दोनों के एक साथ आने से राजनीतिक हलकों में काफी चर्चा छिड़ गई है, कि क्या पवार फैमिली में कुछ बड़ा होने वाला है। यह सब तब हुआ है जब पिछले हफ्ते ही ये अटकलें लगी थीं कि देश की एक बड़े उद्योगपति की इच्छा है कि पवार फैमिली एक हो जाए। इसके साथ दो और संभावनाएं व्यक्त की गई थीं कि संभव है कि सुप्रिया सुले केंद्र में मंत्री बने, या फिर शरद गुट के आठ सासंदों में कुछ अजीत की तरफ आ जाएं।

❒ **और कौन रहा मौजूद?**
बारामती में मंच पर जहां चाचा और भतीजे एक साथ बैठे तो वहीं इस दौरान नन्द सुप्रिया सुले और भौजाई सुनेत्रा पवार भी मंच पर ही थे। बारामती में कृषि विज्ञान केंद्र की कृषि प्रदर्शनी के अवसर पर दोनों का एक मंच पर आने को सकारात्मक पहल के तौर पर देखा जा रहा है, हालांकि दोनों ने साथ में भोजन भी किया, लेकिन एक दूसरे को देखने से परहेज करते रहे। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा आयोजित कृषि प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री शरद पवार और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे, खेल मंत्री दत्तात्रेय भरणे, सांसद सुप्रिया सुले, सांसद सुनेत्रा पवार, विधायक रोहित पवार मौजूद रहे।इस दौरान लोगों की नजरें इस बात पर टिकी थीं कि चाचा भतीजा एक दूसरे से बात करते हैं या नहीं। दोनों एक ही मंच पर थे लेकिन आलम यह था कि दोनों नेता एक दूसरे का अभिवादन तक करने से बचे।

# वेंगुरला गवलीवाड़ा के निवासियों की भूमि का प्रस्ताव: बावनकुले

## कैबिनेट की बैठक में लेंगे फैसला

**मुंबई.**

वेंगुर्ला नगर परिषद सीमा में कैंप गवलीवाड़ा के स्थानीय निवासियों को प्रति परिवार 1500 वर्ग मीटर। राजस्व मंत्री चन्द्रशेखर बावनकुले ने आज सुझाव दिया कि निःशुल्क भूमि देने का प्रस्ताव कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। वेंगुर्ला नगर परिषद सीमा में कैंप गवलीवाड़ा के स्थानीय निवासियों द्वारा कब्जा की गई भूमि के संबंध में आज राजस्व मंत्री के कक्ष में एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में विधायक दीपक केसरकर, राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार, संयुक्त सचिव अजीत देशमुख उपस्थित थे, जबकि सिंधुदुर्ग कलेक्टर अनिल पाटिल ने टेलीविजन प्रणाली के माध्यम से बैठक में भाग लिया। राजस्व मंत्री श्री. बावनकुले ने कहा, मौजे वेंगुर्ला में सरकारी जमीन पर 1905 से पहले से गौलास की कॉलोनी है। गवलीवाड़ा के निवासी ब्रिटिश काल से ही इस स्थान का उपयोग करते आ रहे हैं। चूंकि भूमि पर अतिक्रमण नहीं किया गया है और अंग्रेजों ने सेवा के लिए मुफ्त भूमि प्रदान की है, इसलिए संबंधित निवासियों ने मांग की है कि कब्जे वाले घरों और अन्य जमीनों को मुफ्त में दिया जाए। तदनुसार, गवलीवाड़ा के निवासियों को प्रति परिवार 1500 वर्ग फीट भूमि निःशुल्क प्रदान करने के लिए मंत्रिमंडल को एक प्रस्ताव प्रस्तुत करें। 1500 वर्ग मीटर पर रहवासियों का कब्जा बावनकुले ने सुझाव दिया कि कलेक्टर सिंधुदुर्ग को एक फुट से अधिक भूमि के संबंध में 1980 के रेडी रेकनर रेट के अनुसार संबंधितों से राशि वसूलने के लिए सरकार को एक प्रस्ताव प्रस्तुत करना चाहिए।

# अश्लीलता फैलाने के आरोप में 40 लोगों को गिरफ्तार

**ठाणे.** महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने एक बार में कथित तौर पर अश्लीलता फैलाने के आरोप में 8 महिलाओं और इतने ही ग्राहकों समेत करीब 40 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। शुक्रवार को इस बारे में जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि कल्याण-शील रोड पर स्थित बार में 14 जनवरी की रात की गई छापेमारी के दौरान वहां कथित अश्लीलता का मामला सामने आया था। अधिकारी ने बताया कि डोंबिवली में मनपाड़ा पुलिस ने बुधवार को बार से जुड़े 23 लोगों, 8 महिला कर्मियों और 8 ग्राहकों के खिलाफ आपत्तिजनक आचरण के लिए केस दर्ज किया है।

# शेत वाहिवाटी में वाहन उपयोग के अनुसार सड़क: राजस्व मंत्री

**मुंबई.**

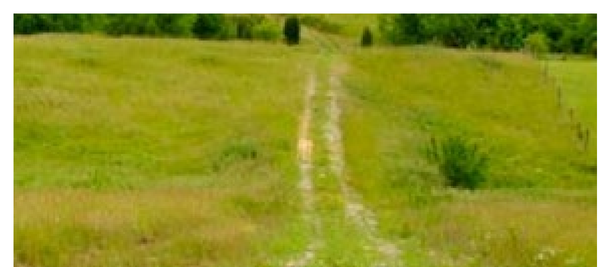

मशीनीकरण के कारण, चूंकि वर्तमान में कृषि भूमि पर बड़े वाहनों का उपयोग किया जा रहा है, इसलिए वाहन के प्रकार के अनुसार कृषि भूमि सड़क के निर्माण के संबंध में निर्णय लेने के लिए तहसीलदारों को दिशानिर्देश जारी किए जाने चाहिए, ऐसा राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा। राजस्व मंत्री के सभाकक्ष में कृषि भूमि की खरीदी-बिक्री के पंजीयन में कृषि मार्गों को अनिवार्य रूप से शामिल करने तथा 7/12 अन्य अधिकारों में कृषि मार्गों के पंजीयन के संबंध में बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर वित्त नियोजन, कृषि, राहत एवं पुनर्वास, विधि एवं न्याय एवं श्रम राज्य मंत्री आशीष जयसवाल, विधायक अभिमन्यु पवार, राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार, संयुक्त सचिव अजीत देशमुख उपस्थित थे. राजस्व मंत्री श्री बावनकुले ने कहा, सरकार ने कृषि सड़कों का वर्गीकरण किया है. इसके अनुसार मौजूदा सड़कों की नंबरिंग की जानी चाहिए। कृषि भूमि को समायोजित करने के लिए मौजूदा सड़कें कुछ स्थानों पर संकीर्ण हैं। ऐसी जगहों पर बड़े वाहनों का जाना मुश्किल हो जाता है और शिकायतें भी आती हैं. रास्ते पर खेत पर कब्जे की शिकायतें तहसीलदार ने सुनीं। इसके बाद सीधे उच्च न्यायालय में अपील की जाती है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुझाव दिया कि सीधे अपील से पहले अपर कलेक्टर या कलेक्टरों के पास अपील करने का कदम होना चाहिए और नियमों में तदनुसार संशोधन किया जाना चाहिए।

# अंबेडकरी अनुयायियों का आज से परभणी से मुंबई तक लंबा मार्च

**परभणी.**

परभणी जिले के सोमनाथ सूर्यवंशी की मौत के मामले में अंबेडकर अनुयायी काफी आक्रामक हो गए हैं. इस बीच, अंबेडकर के अनुयायियों ने परभणी से मुंबई तक एक लंबा मार्च निकालने का फैसला किया है। ये लॉन्ग मार्च आज दोपहर परभणी से मुंबई के लिए रवाना होगा. इस संबंध में जिला प्रशासन और अंबेडकर अनुयायियों की बैठक भी हुई. हालाँकि, अम्बेडकर के अनुयायी इस लंबे मार्च को निकालने पर अड़े हुए हैं। सोमनाथ सूर्यवंशी की मौत को एक महीना बीत चुका है. हालांकि ये संगठन प्रशासन पर पुलिस के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगा रहे हैं. इसलिए अंबेडकरवादी नेताओं और अनुयायियों ने तय किया है कि बिना समय दिए लॉन्ग मार्च निकाला जाएगा. इस संबंध में जिला पुलिस प्रशासन और समर्थकों के साथ हुई बैठक बेनतीजा रही है. यह लॉन्ग मार्च आज दोपहर परभणी में विरोध प्रदर्शन करने के बाद उसी जगह से मुंबई के लिए रवाना होगा.

### परिवार ने मदद से इनकार कर दिया

सोमनाथ सूर्यवंशी की न्यायिक हिरासत में मौत हो गई. सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवार का आरोप है कि मौत पुलिस महारानी की वजह से हुई है. सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि उनकी मौत पिटाई से नहीं हुई है. लेकिन इस संबंध में राज्य सरकार की ओर से सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवार को दस लाख की सहायता की घोषणा की गई। लेकिन परिवार ने इस मदद को ठुकरा दिया है. उनके परिवार ने यह रुख अपनाया है कि जब तक संबंधित पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती तब तक वे मदद स्वीकार नहीं करेंगे.

# सिडको अध्यक्ष पद से संजय शिरसाट की विदाई

**मुंबई.**

कैबिनेट मंत्री बनाए जाने के बाद संजय शिरसाट को सिडको (महाराष्ट्र शहर और औद्योगिक विकास महामंडल) के अध्यक्ष पद हटा से दिया गया है। गुरुवार को इस संबंध में राज्य सरकार के शहरी विकास विभाग ने आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया कि शिरसाट को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। ऐसे में उन्हें सौंपा गया सिडको अध्यक्ष का पदभार समाप्त किया जा रहा है।

शिरसाट को पिछले साल सितंबर में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सिडको का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। शिरसाट को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का करीबी माना जाता है। सिडको निदेशक मंडल की बैठक, दरअसल, शिरसाट ने गत दिनों सिडको निदेशक मंडल की बैठक बुलाई थी। बैठक में उन्होंने कुछ निर्णय लिए। बैठक में उन्होंने कहा था कि घर खरीदने के लिए कठिन शर्तों में ढील दी जाएगी। इसमें एक मकान होने पर दूसरा मकान खरीदने की शर्त को हटाया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के संज्ञान में आने के बाद उन्होंने शहरी विकास विभाग को शिरसाट को पद से हटाने का निर्देश दिया। सरकारी नियम और निर्देशों के अनुसार मंत्री स्तर के व्यक्ति को महामंडल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना अपेक्षित है, हालांकि मंत्रिमंडल में शामिल होने के एक महीने बाद भी संजय शिरसाट ने सिडको के अध्यक्ष पद से इस्तीफा नहीं दिया। चूंकि सिडको अध्यक्ष का पद लाभ का पद है, इसलिए मंत्री बनने पर उनके इस्तीफा देने की उम्मीद थी।

पश्चिमी घाट में बसा माथेरान एक शांत हिल स्टेशन के रूप में उभरता है, जो शहरी जीवन की हलचल से अछूता है। सर्दियों में यह विचित्र रिट्रीट एक धुंध भरे स्वर्ग में बदल जाता है, जो हरे-भरे पेड़ों और मनमोहक पगडंडियों से सजा हुआ है। मोटर वाहनों की अनुपस्थिति यहाँ की शांति को बढ़ाती है, जिससे आगंतुक पैदल, घोड़े की पीठ पर या क्लासिक हाथ से खींचे जाने वाले रिक्शा में आस-पास के इलाकों का पता लगा सकते हैं। पैनोरमा पॉइंट और चार्लोट झील ऐसी जगहें हैं जहाँ आपको मनमोहक दृश्य और शांति मिलेगी। यह महाराष्ट्र में सर्दियों में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। पश्चिमी घाट, महाराष्ट्र, घूमने की जगहें: पैनोरमा पॉइंट, चार्लोट झील, करने योग्य चीज़ें: पैदल, घोड़े की पीठ पर या हाथ से खींचे जाने वाले रिक्शा से घूमें, यात्रा अवधि: 2-3 दिन, बजट: मध्यम, नज़दीकी शहर: मुंबई (83 किमी), पुणे (120 किमी), खाने की चीज़ें: स्थानीय स्नैक्स और स्ट्रीट फूड, कैसे पहुँचें: निकटतम रेलवे स्टेशन - नेरल। नेरल से, टॉय ट्रेन या टैक्सी आपको माथेरान ले जा सकती है।

# प्याज के रुपये ना मिलने पर किसानों ने किया हंगामा

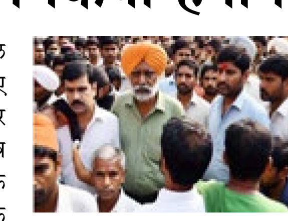

**वैजापुर.** महाराष्ट्र के वैजापुर तहसील में प्याज के रुपये ना मिलने से गुस्साए किसानों ने पानी की टंकी पर चढ़कर आत्मदाह की धमकी दी. करीब 406 किसानों के ₹ करोड़ फंसने के बाद 5 दिन से चल रहे अनशन के बीच प्रशासन के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ. पुलिस ने आरोपी कारोबारी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले के वैजापुर तहसील में प्याज के रुपये ना मिलने से नाराज किसानों ने पानी की टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन किया और आत्मदाह की धमकी दी. बताया जा रहा है कि वैजापुर कृषि उत्पन्न बाजार समिति में 406 किसानों ने पांच से छह महीने पहले व्यापारी सागर राजपूत को प्याज बेची थी, लेकिन अब तक इन किसानों को ₹ करोड़ का भुगतान नहीं किया गया है. किसानों ने बाजार समिति और प्रशासन से बार-बार गुहार लगाई, लेकिन सुनवाई न होने पर पांच दिन से मंडी परिसर में अनशन शुरू किया. जब कोई समाधान नहीं निकला, तो गुस्साए किसान पानी की टंकी पर चढ़ गए और आत्मदाह करने की धमकी देने लगे. प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर भारी पुलिस बल, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस तैनात कर दी गई. छत्रपति संभाजीनगर के जिला निबंधक कार्यालय के डॉ. मुकेश बारहाते ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए दो न्यायाधिकरण नियुक्त किए गए हैं. आरोपी व्यापारी के खिलाफ वैजापुर पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और उससे रकम वसूलने के प्रयास जारी है.

# पढ़ाई के लिए कर दी बेटे की हत्या

**पुणे.** अमूमन ऐसा देखा जाता है कि बच्चे पढ़ाई ना करें तो माता-पिता डांट-फटकार लगाते हैं और कई बार उनकी पिटाई भी करते हैं लेकिन ऐसा शायद ही हुआ हो कि पढ़ाई के लिए बच्चे की जान ले ली गई हो. हालांकि पुणे में ऐसा ही कुछ हुआ. पुणे में एक व्यक्ति ने अपने बेटे को पढ़ाई ना करने पर पीट-पीटकर मार डाला. बेटे की हत्या के बाद परिवार ने मामले को छुपाने की कोशिश की लेकिन अंतिम संस्कार के दौरान भांडा फूट गया.

चपरासी के पद पर काम करने वाले विजय भंडालकर ने अपने बेटे को पढ़ाई पर ध्यान ना देने के लिए पहले डांटना शुरू किया. इसके बाद उसका सिर दीवार पर पटक दिया. इतना ही नहीं बच्चे का गला तक घोंट दिया. यह घटना दोपहर के वक्त हुई है. बताया जा रहा है कि आरोपी की पत्नी कुछ साल पहले उसे छोड़कर चली गई थी. बच्चे की मौत के बाद परिवार ने मामले को छुपाने की कोशिश की और शव को अस्पताल ले गए. वहां जाकर झूठी कहानी गढ़ी कि बच्चा गिरकर बेहोश हो गया. इस अपराध में बच्चे की दादी और चाचा भी शामिल थे. डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. इसके बाद परिवार ने आनन-फानन में रात में ही उसके अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी.

# स्कूल जाने वाले युवाओं में कुपोषण बढ़ रहा है

**पुणे.** वैष्णवी चौधरी गढ़चिरौली के अरमोरी तालुक के मोहझारी गांव से उच्च शिक्षा के लिए पुणे आने वाली पहली लड़की हैं। अक्टूबर माह में यहां आने के बाद उनका वजन तीन से चार किलो कम हो गया। 'जब मैं यहां आया था, मैं एक छात्रावास में रहता था। मैं इसे अकेले बर्दाश्त नहीं कर सकता था, इसलिए मैंने अपने दोस्त के साथ मिलकर दो भोजन पकाया। हम तीन कटोरे, सब्जियां, एक कटोरी से थोड़ा अधिक चावल और दाल एक साथ खाते थे, 'वैष्णवी कहती है। दाल मतलब पतला पानी! एक 19 साल की बड़ी हो रही लड़की इतने बेस्वाद, पोषक तत्वों की कमी वाले भोजन से अपनी भूख कैसे संतुष्ट कर सकती है? लेकिन अगर आप बाहर कुछ खाना चाहते हैं तो वह है सस्ता वड़ा पाव। 'एक समय था जब खाने की लालसा खत्म हो गई थी। अब भी घर जाती है तो जो बहन पहले तीन बार खाना खाती थी, एक बार भी खाना नहीं खाती, छोटी बहन डांटती है,' वह यादों से भर जाती है। घर। गाँव में, उसकी माँ, एक अकेली माता-पिता, एक एकड़ खेत में चावल की खेती करती है और दूसरे लोगों के खेतों में काम करने जाती है।

# सैफ की सोसाइटी में करीब 55 मिनट तक रहा आरोपी

**मुंबई.**

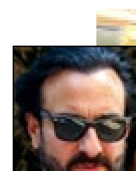

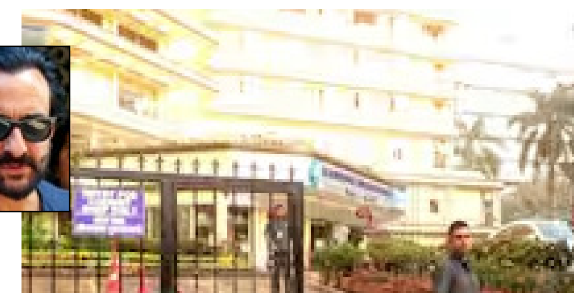

### सीसीटीवी की ओर देख रहा आरोपी

❒ हमलावर को लेकर एक और खुलासा हुआ है. दरअसल, सीसीटीवी कैमरे में जो फुटेज रिकॉर्ड हुआ है, उसमें साफ-साफ देखा जा रहा है कि आरोपी आते और जाते वक्त कैमरे की तरफ देख रहा है. इतना ही नहीं, कैमरे को देखकर आरोपी अपना चेहरे को छिपाने की भी कोशिश करता है. वहीं सीसीटीवी फुटेज से जो जानकारी निकलकर आ रही है, उसके मुताबिक जब आरोपी सैफ के फ्लैट की ओर जा रहा था, तब उसका चेहरा गमछे से ढंका था, लेकिन आने वक्त उसके चेहरे से गमछा गायब था.

सैफ अली खान पर हमला करने वाले आरोपी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है. सीसीटीवी फुटेज से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी युवक घटना के दिन रात 1 बजकर 38 मिनट पर सीढ़ियों से चढ़कर सैफ के घर पहुंचता है और घटना के बाद उसी रास्ते से रात के 2 बजकर 33 मिनट पर लौट जाता है. उसके जाने और आने के वीडियो सामने आ गए हैं. इन वीडियो से ये समझा जा रहा है कि सैफ के घर पर हमलावर करीब 55 मिनट रहता है. इसी दौरान सैफ पर वो चाकू से हमला करता है. 11 फ्लोर चढ़कर सैफ के घर पहुंचा, सीसीटीवी फुटेज में सैफ पर हमला करने वाला आरोपी सीढ़ियों से चढ़ता दिख रहा है. सैफ बांद्रा के जिस फ्लैट में रहते हैं, वो अपार्टमेंट के 11वें फ्लोर पर स्थित है. कहा जा रहा है कि आरोपी युवक ने सैफ के घर जाने के लिए लिफ्ट की बजाय सीढ़ियों का इस्तेमाल किया. पुलिस ने बताया है कि सैफ पर हमला करने वाला शख्स फायर एग्जिट वाली सीढ़ियों से बिल्डिंग के अंदर घुसा था. फिर वो सैफ के फ्लैट तक पहुंचा. आरोपी नीचे से लेकर ऊपर तक सीढ़ियों के मदद से ही उसके घर पर पहुंचा. हालांकि, अपार्टमेंट में उसकी एंट्री कैसे हुई, इसकी कोई जानकारी अब तक सामने नहीं आई है. मुंबई पुलिस इसकी जांच में जुटी है. पुलिस की जांच में अब तक जो जानकारी सामने आई है उसके मुताबिक आरोपी सबसे पहले सैफ के छोटे बेटे जे के कमरे में जाने की कोशिश की, जहां जाते सैफ की नौकरानी ने देख लिया. सैफ की नौकरानी ने जब आरोपी युवक को लेकर शोर मचाया तो सैफ सामने आए. कहा जा रहा है कि सैफ के आते ही आरोपी युवक हाथापाई करने लगा. इसी दौरान आरोपी ने सैफ पर चाकू चला दिया. सैफ के शरीर पर 6 जख्म हुए. इनमें से एक जख्म रीढ़ के पास है जिसकी सर्जरी की गई है. वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी युवक उसी सीढ़ी से रात के करीब 2 बजकर 33 मिनट पर घर से भाग जाता है. अपार्टमेंट से नीचे उतरने के बाद आरोपी किस तरफ और किस रास्ते से भागा है, इसका खुलासा अभी तक नहीं हुआ है. पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपी को तलाशने में जुटी है. कहा जा रहा है कि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही आगे का खुलासा संभव है.

# उत्पीड़न और वैवाहिक संबंधों में लापरवाही; अब पत्नी को देगा 20 लाख

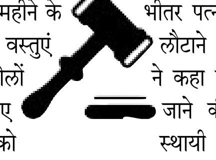

**पुणे.** पुणे की एक फैमिली कोर्ट ने अपने आदेश में एक महिला को तलाक देते हुए पति को 20 लाख रुपये का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। इसमें 10 लाख रुपये स्थायी गुजारा भत्ता और 10 लाख रुपये विवाह खर्च के रूप में शामिल हैं। कोर्ट ने पति को यह राशि छह महीने के भीतर चुकाने के लिए कहा है। इसके अलावा, पति को तीन महीने के भीतर पत्नी को पूरा सोना, दहेज और अन्य गिफ्ट की वस्तुएं लौटाने का भी आदेश दिया गया है। महिला के वकीलों ने कहा कि "ऐसा आदेश पहले किसी कोर्ट द्वारा दिए जाने की हमें जानकारी नहीं है।" उनके अनुसार, पति को स्थायी गुजारा भत्ता और विवाह खर्च के रूप में इतनी बड़ी राशि चुकाने का यह आदेश अपनी तरह का दुर्लभ मामला है। पत्नी द्वारा पति पर लगाए गए आरोपों में एक आरोप ये भी है कि उसका पति व्हाट्सऐप और फेसबुक पर दूसरी महिलाओं के साथ तस्वीरें शेयर करता था। जिससे उसका मानसिक उत्पीड़न हुआ। एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने अपने पति पर अत्यधिक शराब पीने, गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार, उत्पीड़न और वैवाहिक संबंधों में लापरवाही का आरोप लगाया था। कोर्ट ने इन आधारों पर तलाक मंजूर किया। वकीलों के अनुसार, "महिला ने शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न के साथ-साथ पति द्वारा लगातार उपेक्षा के आधार पर तलाक की अर्जी दाखिल की थी.

## आज का राशिफल

**मेष**- मेष राशि के जातकों के लिए कल दिन लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा. आपका कोई पुराना मित्र लंबे समय बाद आपसे मिलने आ सकता है.

**वृषभ**- राशि के जातकों के लिए दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है. कार्य क्षेत्र में आपको कोई बड़ी उपलब्धि मिल सकती है.

मिथुन- राशि के जातकों के लिए दिन किसी नए काम को करने के लिए अच्छा रहेगा. आप अपने पिताजी से कामों को लेकर सलाह ले सकते हैं.

**कर्क**- राशि के जातकों के लिए दिन सोच समझ कर कामों को करने के लिए रहेगा. आपको किसी अजनबी पर भरोसा करने से बचना होगा.

**सिंह**- राशि के जातकों के लिए दिन कठिनाइयों भरा रहने वाला है. कार्य क्षेत्र में आपके बॉस यदि आपको कोई काम सौंपे.

कन्या- राशि के जातकों के लिए दिन सामान्य रहने वाला है. कार्य क्षेत्र में आपके सहयोगी कामों में आपका पूरा साथ देंगे.

**तुला**- राशि के जातकों के लिए दिन सेहत के मामले में उतार चढ़ाव भरा रहने वाला है.

**वृश्चिक**- राशि के जातकों के लिए दिन खुशियों से सराबोर रहने वाला है. आप यदि नौकरी में बदलाव करने की योजना बना रहे थे, तो वह आप कर सकते हैं.

**धनु**- राशि के जातकों के लिए दिन मिश्रित रूप से फलदायी रहने वाला है .आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं.

**मकर**- राशि के जातकों को अपने पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर सुलझाने की आवश्यकता है. आपको वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करना होगा.

**कुंभ**- राशि के जातकों के लिए दिन मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है. आपको अपने कामों में स्वच्छता से आगे बढ़ने की आवश्यकता है.

**मीन**- राशि के जातकों के लिए दिन सामान्य रहने वाला है. आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से परिवार के सभी सदस्य व्यस्त रहेंगे.

**NOTICE INVITING QUOTATION**

**Quotations are invited from the reputed supplier / firms for supply of following Unnat Potter Wheel (50 sets) for Handicrafts artisans of Clay & Pottery (Teracotta) crafts.**

| SN | Specifications | Quantity per set |
|---|---|---|
| 1 | Working Wheel 20" | 1 |
| 2 | Motor 0.5 HP ISI Mark | 1 |
| 3 | Electric On/Off Switch | 1 |
| 4 | Fener Belt | 1 |
| 5 | Steel Iron Frame | 1 |
| 6 | RPM Change Lever | 1 |

The interested parties / Firms / Suppliers are requested to quote there rates including GST as applicable in sealed envelop. The Quotation should reah this office i.e. Secretary, Vaishnavi Bahuuddeshiya Shikshan Sanstha, 6 Mamtakunj, Corporation Colony, Pipla Road, Nagpur 440034 Mob - 9011334033 on or before 07 February 2025 on or before 06.00 PM by post or courier. The tender will open in presence of Committee on 10 February 2025, time 11.00 AM at Handicraft Service Center, CGO Complex, Block C, Seminary Hill, Nagpur-440006. Quotation received after last date will not be considered.

Secretary
Vaishnavi Bahuuddeshiya Shikshan Sanstha

तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी
कळमेश्वर यांचे कार्यालय तालुका कळमेश्वर
जिल्हा नागपूर 441501
रा.मा.क्र. 61/2025 मौजा: तोंडाखैरी
तालुका: कळमेश्वर, दि.10/01/2025

-:जाहिरनामा:-

ज्याअर्थी, अर्जदार श्री/श्रीमती **शोभा रामराव भरबत** राह. खर्डुका, पो.बडेगांव तह. सावनेर जिल्हा-नागपूर यांनी त्यांचे स्वतः ची जन्माची नोंद ग्राम पंचायत तोंडाखैरी, ता.कळमेश्वर येथे दप्तरी घेणेकरीता निर्देशित करणे कामी अर्ज दाखल केलेला आहे. सदरहू स्वतः नामे शोभा चिंधबाजी गिऱ्हे यांचा **जन्म दि. 02.05.1959** रोजी राहत्यागावी बेल्लोरी येथे झाला असा अर्जदारांचा दावा आहे.

त्याअर्थी, जाहिर करतो की, सदर व्यक्तीच्या जन्माबाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणांस काही आक्षेप वा उजर असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे व साक्षीदारांसह या न्यायालयात या जाहिरनाम्याच्या दिनांकापासुन **30 दिवसांचे** आत सादर करावे. मुदतीनंतर आक्षेप विचारात घेतले जाणार नाही.

उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास जन्माबाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही असे गृहित धरुन प्रस्तावित जन्म नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमीत करण्यात येईल.

शिक्का

स्वा/-
संदीप तडसे कार्यकारी
दंडाधिकारी, कळमेश्वर

## सुविचार

आत्मसंतुष्टि ही जीवन की सच्ची समृद्धि है
इसे पाने का प्रयास हमे करना चाहिए।

## संपादकीय

# शांति पर सहमति

❐ इजरायल और हमास के बीच गाजा में युद्धविराम समझौते को लेकर सहमति बनने की खबर हर लिहाज से राहत देने वाली है। हालांकि अभी तक दोनों पक्षों की तरफ से समझौते की औपचारिक घोषणा नहीं हुई है लेकिन माना जा रहा है कि आखिरी पलों में थोड़े और मान-मनौव्वल की जरूरत भले पड़े, समझौते पर अमल शुरू हो जाएगा। इस सहमति के पीछे अमेरिका की भूमिका तो है ही, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का इसमें निजी दिलचस्पी लेना भी खासा महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

उन्होंने पहले ही चेतावनी जारी कर दी थी कि उनके पद ग्रहण करने से पहले बंधक छोड़ दिए जाने चाहिए। सहमति बनने की घोषणा भी सबसे पहले ट्रंप ने ही की। यह शांति अच्छी खासी कीमत देने के बाद हासिल हो रही है। 7 अक्टूबर 2023 को हमास की ओर से इजरायल में किए गए जिस आतंकी हमले से यह जंग शुरू हुई उसमें 1200 लोग मारे गए थे और 250 लोग बंधक बना लिए गए थे। उसके बाद गाजा पर की गई इजरायली कार्रवाई में 46000 लोग मारे जा चुके हैं। गाजा की 90 फीसदी आबादी विस्थापित हो चुकी है। लेबनान, सीरिया, यमन और इराक तक इस संघर्ष की चपेट में आ चुके हैं और इस बात का डर लगातार बना रहा कि कहीं इजरायल और ईरान में सीधा युद्ध न शुरू हो जाए। स्वाभाविक ही शांति की यह संभावना न केवल मध्यपूर्व के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए राहत बनकर आई है। हालांकि इस कथित सहमति को लेकर कई सारे सवाल बने हुए हैं। कहा जा रहा है कि अगर सहमति पर दोनों पक्ष कायम रहे और इस पर अमल शुरू हुआ तो भी इस बात की गारंटी नहीं है कि इससे स्थायी शांति कायम हो ही जाएगी। पहले छह हफ्ते के युद्धविराम के दौरान जहां 33 बंधक छोड़े जाने हैं, वहीं स्थायी युद्धविराम की शर्तों पर बातचीत शुरू होनी है। आगे चलकर सारे बंधक छोड़े जाने की बात है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उनमें से कितने जीवित हैं। युद्धविराम के बाद गाजा में शासन की क्या और कैसी व्यवस्था होगी, यह भी तय होना बाकी है।

# क्या वाकई मैथिल ब्राह्मणों का अपमान किया बीजेपी ने?

संयम श्रीवास्तव

❍ एक दौर था कि राजनीति में अपने विरोधियों को धराशायी करने के लिए बयानों को तोड़ने के बाद मरोड़ना पड़ता था, पर आज कल इसकी जरूरत नहीं रह गई है. आधुनिक तकनीक ने अपने विरोधियों की छवि धूमिल करने का काम वीडियो क्लिप काटकर वायरल करने से हो रहा है. सबसे बड़ी बात यह है कि सभी पार्टियां इसका धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रही हैं. इसका सबसे पहले इस्तेमाल भारतीय जनता पार्टी ने धड़ल्ले से किया. पर कहा जाता है कि चेले हमेशा गुरु से एक कदम आगे ही होते हैं. उसी तरह बीजेपी ने क्लिप काटना शुरू किया पर उसका खतरनाक इस्तेमाल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी कर रही है. पहले अमित शाह के संसद में दिए आंबेडकर वाले बयान को क्लिप काटकर इस तरह फैलाया गया कि बीजेपी के मुंह से आह भी नहीं निकल रही है. हाल फिलहाल में इस खेल का मास्टर बनकर निकली है आम आदमी पार्टी. बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला के बयान के क्लिप को काटकर इस तरह चलाया गया कि उन्हें मैथिल ब्राह्मण समुदाय का दुश्मन बना दिया गया. आश्चर्यजनक यह है कि सभी जानते हैं कि यह देश की राजनीति के लिए घातक है पर इसे बंद करने के लिए कोई भी आगे आने को तैयार नहीं है. सभी इस ताक में बैठे हैं कि किस तरह अपने विरोधी के किसी बयान की क्लिप को तैयार कर वायरल कर दें. जाहिर है कि जो पार्टी इस नए खेल का मास्टर होगी आगामी सभी चुनावों में उसे ही सफलता मिलने वाली है. एक टीवी चैनल पर दिल्ली विधानसभा चुनावों को लेकर एक चर्चा हो रही थी.

इस चर्चा में शहजाद पूनावाला के अलावा किराड़ी से आम आदमी पार्टी के विधायक ऋतुराज झा भी शामिल थे. ऋतुराज को पार्टी ने इस बार टिकट नहीं दिया है. उनकी जगह चुनाव से ठीक पहले बीजेपी से आए अनिल झा को उम्मीदवार बनाया गया है.चर्चा के दौरान ऋतुराज पूनावाला को 'चूनावाला' कहकर कई बार संबोधित करते हैं. जवाब में शहजाद पहले जिस मुद्दे पर बहस हो रही थी उसका जवाब देते हैं कि 'किसी का नाम नहीं बिगाड़ना चाहिए, ऐसी बातें मैं भी कर सकता हूँ. मैं भी कह सकता हूँ कि संजय झा 'झा1' और ऋतुराज झा 'झा2'. मैं भी बोल सकता हूँ कि झा2 हो आप. पर मैं ऐसी बातें नहीं करता.' स्पष्ट है कि शहजाद पूनावाला ने मैथिल ब्राह्मणों या झा सरनेम वाले समाज को लक्षित कर कोई टिप्पणी नहीं की. उन्होंने ऋतुराज झा के 'चूनावाला' के जवाब में 'झा2' से उत्तर दिया. आज की राजनीति के हिसाब से ये बीजेपी की कमजोरी है कि पूनावाला को चूनावाला कहने को मुद्दा नहीं बना सकी. पर आम आदमी पार्टी ने झा2 को मुद्दा बना दिया. आम आदमी पार्टी लगातार पूर्वांचल के वोटों को बीजेपी की ओर जाने से परेशान थी. इसके पहले नई दिल्ली सीट पर वोट बनाने के मुद्दे पर भी अरविंद केजरीवाल पूरबिया समाज के निशाने पर थे. संजय सिंह ने बहुत जोर शोर से मुद्दा उठाया था कि जानबूझकर पूरबिया समाज का वोट कैंसिल किया जा रहा है.पर यह मामला मुद्दा नहीं बन पाया. पर रितुराज को झा2 बोलने के मुद्दे को आम आदमी पार्टी ने बेहद कुशलता से मुद्दा बना दिया.

पार्टी ने अपने ट्वीटर हैंडल से इस मुद्दे पर बीजेपी को लगातार घेरती रही और पूरबिया समाज के लोगों की भावनाओं को उभारती रही . इसके लिए अरविंद केजरीवाल, संजय सिंह आदि नेताओं ने भी बार-बार ट्वीट किए. विपक्ष के अन्य साथियों जैसे अखिलेश यादव जैसे लोगों से भी मैथिल ब्राह्मण समाज के अपमान के लिए शहजाद पूनावाला से माफी की मांग की गई.

## कहानी

# क्रोध

अंकुश्री

❐ बड़ा साहेब के आने की खबर मिलते शनिचरा बेचैन हो गया. अभी दस बज रहा है. साहेब दो बजे आयेंगे. यानी साहेब के आने में अभी चार घंटा बाकी है. वह सोचने लगा. चार-पांच तरह की सब्जियां, सूप, चटनी, सलाद, रोटी, चावल, दाल आदि बनाना होगा. वह तैयारी में लग गया. पानी बोझने के बाद वह चूल्हा जलाने लगा. अरे, लकड़ी तो फाड़ी हुई है ही नहीं. कुल्हाड़ी उठा कर वह जल्दी-जल्दी लकड़ी फाड़ने लगा. साहेब के आगमन की बात सुन कर शनिचरा उनके भोजन की तैयारी में लग गया था. उसे यह भी याद नहीं रहा कि वह पिछले तीन दिनों से बीमार है और इस दौरान उसने कुछ खाया तक नहीं है.

शनिचरा की बीबी साहेब के आने की बात सुन कर बहुत खुश हुई. उसे जब पता चला कि साहेब नहीं, बड़ा साहेब आ रहे हैं तो उसकी खुशी आसमान चढ़ कर बोलने लगी थी. बड़ा साहेब के आने पर खाने-पीने की व्यवस्था ज्यादा अच्छी होती है. उसने शनिचरा से कहा, ''जाओ! जल्दी-जल्दी सब काम निपटाओ. मसाला पीसने और सब्जी काटने का काम मैं आकर कर दूंगी.'' हर बार वह ऐसा ही करती थी. रेस्ट हाउस में जब कोई साहेब आ जाते थे, उसकी बीबी उसके कामों में पूरी सहायता करती थी.'लेकिन आज हिम्मत नहीं कर रहा है.'' रेस्ट हाउस में आने से पहले शनिचरा न बीबी से कहा था, ''उठने पर सिर में चक्कर आ रहा है. लगता है, ऐसी हालत में कैसे काम कर सकूंगा.'' ''साहेब आने वाले हैं इसलिये जाना तो पड़ेगा ही. उनके भोजन की व्यवस्था तो करनी ही होगी.'' बीबी ने समझाते हुए धीरे से कहा था, ''साहेब के आने से आज के भोजन की समस्या तो हल हो जायेगी.''

और शनिचरा रेस्ट हाउस पहुंच कर काम में जुट गया था.शनिचरा अनदिना में एक सांस में जितनी लकड़ी फाड़ लेता था, उतनी लकड़ी फाड़ने में आज वह बदहाल हो गया था. एक बार जब कुल्हाड़ी उठा कर वह लकड़ी पर वार करता था तो उसे लगता था कि कुल्हाड़ी का दूसरा वार लकड़ी पर नहीं कर सकेगा. लेकिन एक के बाद दूसरा, दूसरा के बाद तीसरा और फिर- इस तरह वह लकड़ी के कुंदे पर लगातार वार करता गया. पौने दो बजे एक बार शनिचरा ने सारे कामों का मुआयना किया. उसने सब काम फीट-फाट कर दिया था. उसे संतोष हुआ कि समय से पहले ही उसने सारी तैयारियां पूरी कर ली है. सब्जी तैयार, दाल तैयार, मुर्गा तैयार, सब कुछ तैयार.

आटा गुंथ कर रख दिया है और भात के लिये चूल्हे पर पानी भी तैयार है. साहेब के आते खौलते हुए पानी में चावल छोड़ देगा. दूसरे चूल्हे पर तवा रख कर फुलकी सेंक लेगा. पापड़ तो खाने के समय तला ही जाता है. इधर भात पसायेगा और उधर पापड़ के लिये तेल गरमा जायेगा.साहेब दो बजे आयेंगे. अभी दस मिनट देर है. सारी तैयारी पूरी हो चुकी है. देह का पोर-पोर टूटा जा रहा है. साहेब के आने के बाद फुरसत कहां मिल पायेगी. अभी मौका है, क्यों न एक प्याली चाय पी ली जाये. यह सोच कर उसने चाय चढ़ा दी. लकड़ी की तेज आंच, एक प्याली चाय का पानी तुरंत खौलने लगा. चीनी और चाय की पत्ती डाल कर शनिचरा ने जल्दी-जल्दी चाय छान ली. कुछ खाना तो दूर, सुबह से उसके गले में एक घूंट पानी भी नहीं उतरा था. उसका गला सूख रहा था. चाय की प्याली हाथ में थामते ही उसके मुंह में पानी भर आया. प्याली से गरमा-गरम धुंआ उठ रहा था. चाय की प्याली से उठ रहे धुएं में शनिचरा को अपनी बीबी और बच्चे का चेहरा दिखाई देने लगा. वह सोचने लगा कि गरमा-गरम चाय पीकर वह अपना सूखा हुआ गला तर कर लेगा. लेकिन उसके बीबी-बच्चे की भूखा से ऐंठ रही अंतड़ियों की गरमी और बढ़ गयी होगी.

बीबी तो रेस्ट हाउस में आयी भी थी. लेकिन मसाला पीसने और सब्जी काटने के बाद वह वापस चली गयी थी. उससे गलती हो गयी. उसने यही चाय यदि उस समय बनायी होती तो बीबी को भी एक प्याली मिल गयी होती. जाड़े के भूखे पेट में गरमा-गरम चाय जाती तो बीबी को कुछ राहत मिलता. लेकिन काम में उलझे रहने के कारण उसे इस बात का खयाल ही नहीं रहा. साला काम भी अजीब बला है, जब तक निपट नहीं जाये, दिमाग कुछ सोच ही नहीं पाता. एक बार उसने सोचा कि क्यों न चाय की यह प्याली बीबी को दे आये. लेकिन उसने फिर तुरंत सोचा कि नहीं, साहेब आ गये तो? साहेब के आने पर उपस्थित नहीं रहने से सब किये-कराये पर पानी फिर जायेगा. नहीं, वह ऐसी गलती नहीं करेगा. बीबी के लिये चाय लेकर जाने की बात उसने दिमाग से झटक दी. उसने सोचा कि साहेब के खाने के बाद बचा-खूचा खाना अपने घर ले जायेगा तो बीबी-बच्चा दोनों के गले उतरेगा. साहेब के आने और खाने में अब देर ही कितनी है? हाथ में चाय की प्याली पकड़ वह अपनी बीबी-बच्चा के बारे में सोच रहा था.

उसने अभी चाय पीनी शुरू नहीं की थी. बीबी के लिये चाय लेकर घर नहीं जाना है, यह फैसला करने के बाद उसने चाय पीनी शुरू की. उसने अभी हाथ की प्याली होठों से लगायी ही थी उसे मोटर का हॉर्न सुनायी पड़ा. उसके कान खड़े थे. वह चौकस था. हाथ की प्याली स्वतः होठों से हट कर जमीन पर चली गयी. प्याली एक तरफ सरका कर वह किचन से बाहर निकल आया. रेस्ट हाउस के गेट पर एक कार खड़ी थी. वह गेट की ओर दौड़ पड़ा. कार की अगली सीट पर ड्राइवर था.

पिछली सीट पर साहेब और मेम साहेब बैठे हुए थे. गेट खोल कर उसने साहेब और मेम साहेब को अदब के साथ झुक कर प्रणाम किया. लेकिन साहेब और मेम साहेब आपसी वार्तालाप में व्यस्त थे. वे शनिचरा को तो देख रहे थे, लेकिन उसके अभिवादन को नहीं दख सकें. अभिवादन की स्वीकृति नहीं मिलने के बावजूद शनिचरा को किसी तरह की झेंप नहीं हुई. साहेबों को किये गये अभिवादन की अस्वीकृति से वह अभ्यस्त हो चुका था. रेस्ट हाउस के सामने कार लग जाने पर ड्राइवर ने डिक्की खोल दी.

## व्यंग्य

अशोक गौतम

# आह! कवि की चाह

❐ बातों ही बातों में वर्मा जी ने बताया कि मुहल्ले में दबी जुबान है कि लोगों को रात को कवि की आत्मा सड़क पर घूमती हुई मिल रही है तो मैंने वर्मा जी से हंसते हुए कहा,' बंधु! जो जीव महीनों अपने कमरे से बाहर न निकल सूरज के स्वागत के गीत लिखता रहा हो उसकी आत्मा मरने के बाद सड़कों पर क्या खाक घूमेगी? सड़कों पर तो वह तब निकले जो उसके पेट में जिंदा जी कुछ गया हो. पर कल जब मैं बाजार से गोभी के पत्ते लेकर अंधेरे में घर न चाहते हुए आ रहा था तो अंधे मोड़ पर मुझे गुजरे कवि के खांसने की सी आवाज आई। पर मैंने कोई ध्यान इसलिए नहीं दिया कि आजकल हमारे मुहल्ले के आदमियों को तो आदमियों को कुत्तों तक को भी खांसी हो रही है। पर जब अचानक गया कवि सामने सीना ताने खड़ा हो गया तो मेरे कांधे से गोभी के पत्तों से भरा झोला गिरते- गिरते बचा। उसे देख मेरी घिग्घी बंध गई तो कवि ने ही सस्वर मुझसे पूछा,' और मित्र! कैसे हो? कैसा महसूस कर रहे हो मेरे जाने के बाद?'काफी मस्ती में हैं सब! सबकुछ वैसे ही चल रहा है। समाज के चलने में कवि या श्रोता जाने पर कोई फर्क नहीं पड़ता। पर हां! तुम्हारे जाने के बाद तुम्हारे पड़ोस वाले 'र्मा जी जरा दिक्कत में हैं!' क्यों? लगा कवि की आत्मा भीतर तक आहत हो गई हो।असल में उनको सूझ नहीं रहा कि जो रोटी वे परलोक के नाम पर तुम्हें दिया करते थे अब किसको दें। यार ,जिंदा रहते तो कहीं गए नहीं , पर मरने के बाद भी यहीं क्यों डटे हो! मरने के बाद ही सही ,आदमी को इधर उधर तो हो ही जाना चाहिए! कैसे आदमी हो यार तुम भी? पहले तुम मुहल्ले वालों को अपनी कविताओं से डराते रहे और अब आखिर तुम हमसे चाहते क्या हो?' कह मैं उसके मुंह से उसके मन की बात सुनने को उसका मुंह ताकता रहा तो वह लंबी सांस ले बोला, 'मित्र! मरने के बाद उस मुहल्ले से जाना कौन नहीं चाहता जहां हफ्तों नलके पानी का मुंह ताकते रहें। जहां की स्ट्रीट लाइटों के बल्ब लगने से पहले ही उतर जाएं। सड़कें ऐसीं कि लोग अपने घरों का गंद दूसरों के घरों के आगे मुंह अंधेरे अपना मुंह छुपा रख जाएं। मैं भोलाराम का जीव तो हूं नहीं कि जो अभी भी अपनी पेंशन के चक्कर में सरकारी दफ्तरों में चप्पलें चटखाता धक्के खा रहा हो। मैं तो स्वछंद कवि हूं कवि! असल में क्या है न कि हर लेखक की आत्मा इस लोक को दो ही कंडीशनों के आधार पर छोड़ती है,' कह उसने गहरी साँस ली।कौन सी हैं वे दो कंडीशनें? जल्दी कहो ताकि मुहल्ले की सीरियल देखती मांओं को अपने बच्चों को कम से कम सीरियल का मजा किरकिरा होने पर सुलाने के लिए यह तो न कहना पड़े कि, सो जाओ वरना कवि की आत्मा आ जाएगी। ' किसी भी श्रेणी के लेखक को वैसे तो मरने के बाद भी मोक्ष नहीं मिलता। दूसरे, वह मोक्ष चाहता भी नहीं! उसकी सबसे बड़ी कमजोरी यही होती है। पर फिर भी जो तुम चाहते हो कि मैं मरने के बाद इस मुहल्ले को छोड़कर चला जाऊं तो.?'कहीं तुम्हारी पांडुलिपियां तो यहां नहीं रह गईं जो तुम उन्हें भेजने को....काहे की पांडुलिपियां यार! सब कहीं की ईंट कहीं का रोड़ा मैंने -सबने 'शब्दों का कुनबा जोड़ा' कह वह पहली बार हंसा तो मैं खुश हुआ कि चलो, हमारा कवि मरने के बाद ही सही, हंसा तो सही।तो तुम्हारे नाम की हरिद्वार के पंडों को खिला आएं क्या??'नहीं! उनका तो में पैदा होने से पहले ही घोर विरोधी रहा हूं।'तो क्या तुम्हारे जाने के बाद तुम्हारा गया- पिहोवा कर आएं?''नहीं, कबीर काशी के बदले मगहर में मरने के बाद स्वर्ग नहीं गए थे क्या?'तो?? मरने के बाद भी हमारा पीछा छोड़ने का इरादा नहीं है क्या?'मित्र! लेखक न हरिद्वार चाहता है न काशी! वह तो बस यही चाहता है कि उसे जिंदा जी नहीं तो मरने के बाद ही सही एक ठो छोटा -मोटा ऊपर जा बताने के लिए सम्मान@श्रद्धांजलि मिल जाए ताकि वे लोग भी जान जाएं कि.. और एक मैं हूं कि जिसे जिंदा जी न कोई सम्मान मिला, न मरने के बाद श्रद्धांजलि न तिलांजलि!' कह कवि की आत्मा सिसक उठी तो मैंने उसे चुप कराते कहा,' तो हे दिवंगत कवि! बस , इत्ती सी बात? ऐसा करते हैं कल रविवार भी है , सब घर में ही मिलेंगे सो धूप में ताश खेलने के बदले तुम्हारे सम्मान में मुहल्ले में एक कांट्रिब्यूटिड सम्मान समारोह और उसके बाद तुम्हारे जाने की खुशी में श्रद्धांजलि सभा कर देते हैं....'दोनों एक साथ क्यों??

## लघुकथा

# बीच का दिन

❐ अब चुप कर कटुए. दोगले. ओ...य, ओ...य...बामणी के. कमीणजात गरुड़ए. आगे मत बोलियो...नींतो.नीं तो? नीं तो?? क्या कर लेगा तू...क्या 'उपाड़' लेगा? अरे देख गुस्सा मत दिला मुझे. गुस्सा खराब है मेरा. ब्होत खराब इन्सान हूं मैं गुस्से के बाद. कोई नया मामला नहीं है. रोज़ की बात है. दोनों के बीच कहा-सुनी. ये तो कुछ भी नहीं. इससे भी ज्यादा 'छोत'. पढ़े-लिखे लोग सुन लें तो बलवा हो जाए. पर इन दोनों के लिए तो रोज़मर्रा की बात है. मानो दिन ब दिन सर्द होती जा रही ज़िंदगी में गरमाहट बचाए रखने के लिए इनके पास सिवा इसके कुछ भी नहीं था.

कौमी कोसने. जिन्हें ये लकड़ी के कुंदों की तरह अपने ताल्लुक़ात की भट्ठी में झोंकते रहते थे. इस अजीब रिश्ते में एक अजीब बंदिश ये भी कि बात बोला चाली से आगे कभी नहीं बढ़ती. और इन दोनों के बीच तीसरा कोई आ गया तो दोनों साथ रहते हैं. किराए का रिक्शा चलाते हैं. रहमतुल्ला और दीनबंधु. रमजू और दीनू नाम हैं इनके. रिक्शे का धंधा कमजोर है इन दिनों. मजूरी कभी मिलती है कभी नहीं. रिक्शे का किराया भी भारी पड़ता है. जिसकी जो ही जानता है. मजूर को एक दिन मजूरी न मिले तो उस पर क्या गुज़रती है. ये सब थोड़े ही जानते हैं. मगर दोनों इससे वाकिफ़ हैं. कई बार गुज़रा है वक्त ऐसा. कल शहर (क़स्बा) बंद था. आज भी बंद है. कल भी रहेगा. फ़िल्मी गाने की तरह (सौ साल पहले...) माइक से ऐलान हो चुका है. मामला वही है हस्बे मामूल हिंदू-मुस्लिम... ज़ाहिर सी बात, कसूर किस कौम का ज्यादा और बड़ा है, इसी बात पर 'अड़बा-ठेस' शुरू हुई थी दोनों में जो कौमी कोसनों की हद तक आ चुकी थी. दोनों अपनी-अपनी आत्मा के आख़िरी पलीते को एक-दूसरे की तरफ़ फेंक चुके थे.पर आज का दिन बीते हुए कल और आने वाले कल के बोझ से, भारी था.दोनों ने अपनी-अपनी बजाई और थोड़ी देर बाद बुझने लगे.

## आलेख

# अंधविश्वास

प्रमोद भार्गव

❐ अकसर हमारे देश में ग्रामीण, अशिक्षित और गरीब को टोना-टोटकों का उपाय करने पर अंधविश्वासी ठहरा दिया जाता है। अंधविश्वास के पाखंड से उबारने की दृष्टि से चलाए जाने वाले अभियान भी इन्हीं लोगों तक सीमित रहते हैं। आर्थिक रुप से कमजोर और निरक्षर व्यक्ति के टोनों-टोटकों को इस लिहाज से नजरअंदाज किया जा सकता है कि लाचार के कष्ट से छुटकारे का आसान उपाय दैवीय शक्ति से प्रार्थना ही हो सकता है। लेकिन यह हैरानी में डालने वाली विंडबना ही है कि महाराष्ट विधानसभा में अंधविश्वास के खिलाफ कानून लाने में भागीदारी करने वाला मंत्री ही अंधविश्वास की मिसाल सार्वजनिक रुप से पेश करने लग जाए? जी हां, कानून का उल्लंघन राष्टवादी कांग्रेस पार्टी के नेता और राज्य के श्रममंत्री हसन मुशरिफ ने किया है। इसी पार्टी के एक नाराज कार्यकर्ता ने उनके चेहरे पर काली स्याही फेंक दी थी। इस कालिख से पोत दिए जाने के कारण मंत्री महोदय कथित रुप से 'अशुद्ध' हो गए। इस अशुद्धि से शुद्धि का उपाय उनके प्रशंसकों और जानियों ने दूध से स्नान करना सुझाया। फिर क्या था, नागरिकों को दिशा देने वाले हजरत हसन मुशारिफ ने खबरिया चैनलों के कैमरों के सामने सैंकड़ों लीटर दूध से नहाकर देह का शुद्धिकरण कर लिया। यह वही महाराष्ट है, जहां अंधविश्वास के परिप्रेक्ष्य में मजबूत कानून लाने के लिए, लंबी लड़ाइर् लड़ने वाले अंध-श्रद्धा निर्मूलन समिति' के संस्थापक नरेंद्र दाभोलकर की हत्या अगस्त 2013 में चंद अंधविश्वासियों ने कर दी थी।

हालांकि इसी शहादत के परिणामस्वरुप महाराष्ट सरकार अंधविश्वास के खिलाफ कानून बनाने के लिए मजबूर हुइर् और महाराष्ट अंधविश्वास के खिलाफ कानून लाने वाला देश का पहला राज्य बना। लेकिन जब सरकार में शामिल मंत्री ही टोनों टोटकों के भ्रम से न उबरने पाएं तो कानून अपना असर कैसे दिखा पाएगा? कायदे से तो कानूनी प्रक्रिया को अमल में लाते हुए सरकार को जरुरत थी कि हसन मुशरिफ को तत्काल मंत्री मंडल से बाहर का रास्ता दिखाया जाता और मौजूदा कानून के तहत उन पर एफआइर्आर दर्ज होती? लेकिन सरकार ने मंत्री के खिलाफ किसी भी तरह से दंडित किए जाने की कोई पहल नहीं की?

जाहिर है, सख्त कानून आ जाने के बावजूद अंधविश्वास की समाज में पसरी जड़ताएं टूटने वाली नहीं हैं? क्योंकि देश की राज्य सरकारें अवैज्ञानिक सोच और रुढ़िवादी ताकतों से लड़ने का साहस ही नहीं जुटा रहीं हैं। हालांकि अंध-श्रद्धा निर्मूलन कानून इतना मजबूत है कि यदि महाराष्ट सरकार श्रममंत्री के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति जताती तो उन्हें लेपेटे में ले सकती थी। क्योंकि इस कानून के दायरे में टोनों-टोटकों के जानिया-तांत्रिक जादुइर् चमत्कार, दैवीय शक्ति की सवारी, व्यक्ति में आत्मा का अवतरण और संतों के इर्श्वरीय अवतार का दावा करने वाले सभी पाखंडी आते हैं। साथ ही मानसिक रोगियों पर भूत-प्रेत चढ़ने और प्रेतात्मा से मुक्ति दिलाने के जानिया भी इसके दायरे में हैं।

## कथा

# विदाई

❍ शीतल की शादी में उससे बड़े दोनों भाईयों ने ,केवल दस्तूर के नाते, समाज की आलोचनाओं से बचने के लिए पत्नी-बच्चों सहित विवाह के चार दिन पहले आकर रीति-रिवाजों में शामिल हुये. पूरे परिवार को साथ देख शीतल की माँ, सुलोचना का तो जैसे मुरझाए तरु में भावनाओं, समवेदनाओं का खाद पानी मिल गया, बच्चों के नजदीक होने के एहसासों भरी प्राणवायु से मन झंक्रत हो उठा, वही शीतल के पीत पर्ण चेहरे पर ,कांतिमय मुस्कराहट से उजास हो गया. धूमधाम से विवाहोपरांत, विदाई की घड़ी आ गई.

सखी- सहेलियों से विदा ले, माँ के गले लगकर रो पड़ी.माँ के अकेले रह जाने की चिंता थी,पर संतोष इस बात का था सब कुछ आनन्दमयी माहौल मे सम्पन्न हो गया. आखिर में भाई- भाभियों से मिलते समय अपनी याचनाभरी निगाहों से जैसे कहना चाह रही हो कि अब,घर से विदा मत होना. भतीजी-भतीजे को ढेर सारा प्यार कर उसने अपने पर्स से कागज निकालकर, सौंपते हुये कहा, 'ये तुम तीनों के लिए अपनी बुआ की तरफ से छोटा-सा उपहार. पास में खड़े बड़े भाई ने पूछा, 'ये क्या शीतल?

'कुछ नहीं, बस, 'और गाड़ी में बैठ गई. बच्चों के हाथ से कागज से कागज लेकर पड़ा तो चेहरे पर आत्मग्लानि छा गई. अपराध बोध से सिर झुक गया, भाई- बहिन की ऐसी अनूठी विदाई देख, नाते-रिश्तेदार द्वारा, आश्चर्यमिश्रित शीतल के साथ-साथ, बेटे-बहुओं के संस्कारी होने का गुणगान सुन, सुलोचना को उस दिन की याद हो आई, जब शीतल के पिता, रामशरन ने शादी के विवाह खर्च को लेकर उनसे सहयोग करने की उम्मीद की, दो दोनों बेटों ने अपनी- अपनी ग्रहस्थी का रोना रोकर ना केवल अपना पल्ला झाड लिया, बल्कि घर बटवारे की मांग की, तो रामशरन गुस्से से लाल- पीले होते हुये, अपना फैसला सुना दिया, 'अब, इस घर के दो नहीं ,तीन हिस्से होगे.पिता की बात से तिलमिलाएं बेटे बहुओं ने, रोज-रोज की चिक-चिक से किराये के घर में रहने लगे. अपनी आस टूटने से आघात, रामशरन की ज़िंदगी भी कुछ दिन की मेहमान रही.अकस्मात जीवन मे आई इस सूमानी ने माँ-बेटी को दुख की बाढ़ बहती नदी में, बिना पतवार के नाव को छोड़ दिया.

पर तितर-बितर हुई लहरे तट किनारे मिलकर उफान के साथ आती हैं और अपने साथ बहुत कुछ छोड़ जाती हैं, उम्मीद बांधने के लिए. एक दिन अलमारी में बिखरी फ़ाईलों, किताबों को जमाते हुये उसे किसी फाईल में बंद लिफाफा मिलने पर बेटी को दिया, तो खोलकर पढ़ने पर उसके चेहरे के गम- खुशी के मिले-जुले भावों को देख, पूछा, तो उसने बताया.

'पिताजी ने अपनी वसीयत में मुझे भी हिस्सा दिया हैं.' बात सुन, सुलोचना को रामशरन की कही बात याद हो आई, जब वो सुलोचना की पढ़ाई पर खर्च करने का विरोध करती तो, हमेशा कहते, 'मेरे दो नहीं, तीन बेटे हैं, और फिर ये तो बिटिया का कानूनी हक हैं.' 'देखना कही ये जमीन का टुकड़ा भाई-बहिन के बीच दरार का कारण ना बन जाए.' यादों में खोई सुलोचना, शीतल की आवाज से जागी,वो कह रही थी, 'अब सब ठीक हो जाएगा माँ.'फूल से मुरझाए चेहरे पर खिली मुस्कान के अंदर छिपी उधेड़ बुन को वो तब समझ नहीं सकी, पर आज सब कुछ आ गया. विदा होती गाड़ी में बैठी शीतल न सब कुछ विदा कर दिया.


# हृदय स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम दवा

> कैप. हृदय कवच, कैप. कार्डिओ अमृत, को-एच और क्लीन हार्ट सिरप

❐ यह सभी हृदय रोगों से बचाव के लिए प्रभावी दवाएं हैं। आयुर्वेद एक शाश्वत चिकित्सा शास्त्र है। जिसमें शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा गया है। इसकी चिकित्सा औषधी अत्यंत विशुद्ध अमृततुल्य होती है। जो दुष्परिणाम विरहित होकर चिकित्सा अपुनर्भव होती है अर्थात रोगों को समूल नष्ट कर देती हैं। इन उत्पादों के माध्यम से हृदय रोगों का प्रबंधन और उपचार संभव है, जिससे जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है। आजकल की भागदौड़ की जिंदगी में असमय, अशास्त्रीय तरीके से खाना पिना, रात्रि जागरण मानसिक एवं शारीरिक तनाव, आधुनिक जीवन शैली इत्यादि के कारण ऑक्युपेशनल डिसऑर्डर अर्थात जिवनशैली से अथवा काम में संबंधित विकार होने शुरु हो गये है। उसमें हाई बि.पी, शुगर के साथ हृदय विकार भी आमतौर पर देखे जा रहे हैं। आजकल स्त्री हो या

पुरुष 18 साल के ऊपर की उम्र के किसी भी व्यक्ती को हृदय रोग होते हुए देखे जा रहे हैं। उसका कारण आजकल की अशास्त्रीय आधुनिक जीवन शैली के अलावा कोविड-19 पैन्डेमिक भी माना जा रहा है। टॅबलेट डॉ कोलो एच और क्लीन हार्ट सिरप अत्यंत प्रभावी औषधी पायी गयी है। उपर्युक्त वर्णित हृदय रोग चाहे वह किसी भी आंयु की व्यक्ति का हो उपर्युक्त वर्णित औषधियों से समूल संपूर्ण, नष्ट हो जाता है। इसके साथ स्वस्थ व्यक्ती भी अपने हृदय को स्वस्थ रखने, बीपी कोलेस्ट्रॉल को नॉर्मल रखने के हेतु से उपर्युक्त वर्णित औषधि अनुभवी वैद्यों की सलाह एवं परामर्श से सेवन कर सकते है। शिव शंकर 'आयुर्वेद एजेंसी' द्वारा निर्मित कैप-हृदय कवच और कैप-कार्डियो अमृत जैसे उत्पाद, हृदय रोगों के प्रबंधन और उपचार के लिए उत्कृष्ट विकल्प हैं। ये औषधियां न केवल हृदय स्वास्थ्य में सुधार करती हैं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी बढ़ाती हैं। योग कॉम्प्लेक्स, सिताबर्डी, टेम्पल बाजार रोड, महाजन मार्केट, नागपुर, आयुर्वेदिक दवाओं और उपचारों के साथ अधिक जानकारी और परामर्श के लिए, आप शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक और शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी से अथवा इस 9112079000 / 8605245080 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

शिवशंकर आयुर्वेद एजन्सी


**नागपुर मेट्रो समाचार :** फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

# जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण के लंबित कार्यों में तेजी लाने का दिया निर्देश

**गढ़चिरोली.**

कलेक्टर अविश्यंत पांडा ने आज निर्देश दिया कि जिले में लंबित सड़क निर्माण में तेजी लाने के लिए संबंधित अधिकारी तत्काल उपाय करें,साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में आ रही समस्याओं के समाधान के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से चर्चा की जायेगी.

कलेक्टर कार्यालय में आज आयोजित बैठक में सड़क कार्यों की समीक्षा की गयी. इस अवसर पर सहायक कलेक्टर एवं उपविभागीय अधिकारी राहुल मीना (गढ़चिरोली), श्रीमती मानसी (देसाईगंज), अमित रंजन (चामोर्शी), नमन गोयल (एटापल्ली), सार्वजनिक निर्माण विभाग की अधीक्षण अभियंता नीता ठाकरे, कार्यकारी अभियंता सुरेश साखरवाड़े, बलवंत रामटेके (आलापल्ली), आर.बी. कुकड़े (विशेष परियोजना सिरोंचा), राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यकारी अभियंता ऋषिकांत राऊत, चन्द्रशेखर सालोडकर (प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना), जिला परिषद कार्यकारी अभियंता श्री दोरखंडे, उप अभियंता राजेंद्र कटकमवार (विद्युत उपविभाग) सहायक अधीक्षण अभियंता दिनेश पाटिल, सुमित मुंदडा मुख्य रूप से उपस्थित थे उपस्थित।

कलेक्टर श्री पांडा ने राष्ट्रीय राजमार्ग अलापल्ली से गुंडेनूर, चामोर्शी-अलापल्ली-सिरोंचा, अरमोरी गढ़चिरौली, चटगांव और धनोरा मार्ग, कोरची से कुरखेड़ा और दक्षिण गढ़चिरौली और उत्तरी गढ़चिरौली के निर्माण की समीक्षा की। जब हितधारकों ने कहा कि आरमोरी से गढ़चिरौली राष्ट्रीय राजमार्ग के नव निर्माण के लिए 746 करोड़ का प्रस्ताव मंजूरी के लिए सरकार को भेजा गया है, तो इस बात पर चर्चा की गई कि उक्त कार्य पूरा होने तक वर्तमान सड़क मरम्मत के लिए समस्याओं को कैसे हल किया जा सकता है और इसलिए भी क्योंकि मानसून के दौरान पाल नदी पर नागपुर रोड बंद हो जाता है।

जिले में, विशेष रूप से चामोर्शी और एटापल्ली तालुका में बहुत भारी यातायात है, जो राज्य राजमार्गों को जल्दी खराब कर देता है।

उन्होंने भविष्य में भारी यातायात बढ़ने के कारण इस सड़क की गुणवत्ता को और बढ़ाने के लिए जिन मानदंडों के तहत इन सड़कों का निर्माण किया जाता है, उन्हें बदलने के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। जिले में 234 पुलों के निर्माण की आवश्यकता है, लेकिन सामूहिक रूप से बड़ी धनराशि की उपलब्धता में देरी हो सकती है, इसलिए उन्होंने चरणबद्ध तरीके से महत्वपूर्ण पुलों के लिए प्राथमिकता तय करने और प्रस्ताव प्रस्तुत करने का सुझाव दिया। जिला कलक्टर ने केन्द्र सरकार की धनराशि से चल रहे कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने तथा इस वित्तीय वर्ष में स्वीकृत परियोजनाओं को मार्च 2025 तक पूरा करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अप्रैल में इसकी दोबारा समीक्षा की जायेगी.

बैठक में निर्माण विभाग से जुड़े सभी अधिकारी मौजूद रहे।

## आलाप्पल्ली के सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को दिया नया नाम

**गढ़चिरोली.**

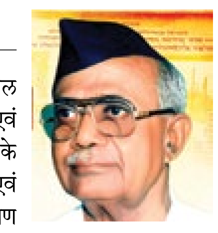

राज्य सरकार कौशल रोजगार उद्यमिता एवं नवप्रवर्तन विभाग के माध्यम से सरकारी एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के अंतर्गत शिल्प कारीगर प्रशिक्षण योजना के तहत युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करती है। ऐसे सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रोजगार के लिए सशक्त बनाना है रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जाएगा। राज्य सरकार ने कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग द्वारा सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के नाम बदलने को मंजूरी दे दी है। राज्य में कई सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) राज्य में सामाजिक सुधारकों और सामाजिक क्षेत्र में योगदान देने वाली हस्तियों के नाम पर नाम बदले गए हैं।

इसमें गढ़चिरौली जिले के अहेरी तहसील के आलापल्ली में सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) का नाम अहेरी एस्टेट के दिवंगत राजा "राजे विश्वेश्वरराव आत्राम" के सम्मान में उनके नाम पर रखा गया।

अहेरी एस्टेट के दिवंगत राजा, पूर्व सांसद, शिक्षा महर्षि राजे विश्वेश्वरराव महाराज आत्राम ने अपने गढ़चिरौली जिले के पिछड़े इलाकों को विकास की धारा में लाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने धर्मराव शिक्षा बोर्ड की स्थापना की और पूरे जिले में शिक्षा का जाल फैलाया उन्होंने कहा कि हमारा समाज शिक्षित हो और विकास की धारा में आए, इसके लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

उन्होंने राजनीतिक, सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में बहुमूल्य योगदान दिया है। आज महाराष्ट्र सरकार ने उनके काम को ध्यान में रखते हुए आलापल्ली में सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का नाम उनके नाम पर रखकर उन्हें सम्मानित किया है। आज गढ़चिरौली जिले के लिए यह गर्व की बात है!

## 20 जनवरी को महिला लोकतंत्र दिवस

**चंद्रपुर.** महिला लोकतंत्र दिवस प्रत्येक माह के तीसरे सोमवार को जिला स्तर पर तथा चौथे सोमवार को तालुका स्तर पर आयोजित किया जाता है। चूंकि जनवरी का तीसरा सोमवार 20 जनवरी 2025 को है, इसलिए इस दिन प्रातः 11 बजे रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर के कार्यालय में महिला लोकशाही दिवस का आयोजन किया गया है। न्यायिक मामले, सेवा मामले, स्थापना मामले तथा निर्धारित आवेदन पत्र में शामिल न होने वाले मामले महिला लोकतंत्र दिवस पर स्वीकार नहीं किए जाएंगे। हालांकि, जिन महिलाओं की शिकायतें और अनुरोध उपरोक्त के अलावा अन्य व्यक्तिगत शिकायतों के रूप में हैं, उन्हें महिला लोकशाही दिवस से 15 दिन पहले आवेदन की दो प्रतियां जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, चंद्रपुर के कार्यालय में जमा करना अनिवार्य है.

## इजरायल में भारतीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार

**चंद्रपुर.** कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार विभाग के अंतर्गत महाराष्ट्र इंटरनेशनल की मदद से जिले के बेरोजगार युवाओं को इजरायल में वैश्विक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इजराइल में होमबेस केयरगिवर के पद के लिए 10 वीं पास और स्वास्थ्य क्षेत्र में 990 घंटे का सरकारी अनुमोदित कोर्स, जीडीए, एएनएम, जीएनएम होना चाहिए। अभ्यर्थियों को अंग्रेजी में बातचीत करने में सक्षम होना चाहिए। इस पद के लिए मासिक वेतन 1 लाख 30 हजार होगा। अधिक जानकारी https://maharashtrainternational.com वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा कौशल विकास, रोजगार एवं उद्यमिता मार्गदर्शन केंद्र के सहायक आयुक्त भैयाजी येरमा ने युवाओं से अपील की है कि वे वेबसाइट पर पंजीकरण कराएं तथा उपलब्ध रोजगार अवसरों का लाभ उठाएं विश्व स्तर पर.

# खाशाबा जाधव का जन्मदिन राज्य खेल दिवस के रूप में मनाया

> जिला खेल अधिकारी कार्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं गतिविधियां

**चंद्रपुर.**

जिला खेल अधिकारी कार्यालय की ओर से खाशाबा जाधव राज्य खेल दिवस के अवसर पर जिला खेल परिसर, चंद्रपुर में विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, खाशाबा जाधव की जयंती के अवसर पर चंद्रपुर शहर में एथलीटों की एक भव्य रैली का आयोजन किया गया। तालुका खेल अधिकारी जयश्री देवकर और बार्टी निदेशक अलका मोटघरे ने हरी झंडी दिखाकर रैली का उद्घाटन किया। जिला खेल अधिकारी अविनाश पुंड ने रैली में उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित किया।

खशाबा दादासाहेब जाधव का जन्म 15 जनवरी 1925 और मृत्यु 14 अगस्त 1984 में हुआ. वो एक महान भारतीय खिलाड़ी थे । वे पहलवानी के लिये प्रसिद्ध हैं। उन्होंने हेलसिंकी में 1952 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। ओलंपिक में व्यक्तिगत पदक जीतने वाले वे स्वतंत्र भारत के पहले एथलीट थे। खशाबा से पहले के वर्षों में, भारत केवल फील्ड हॉकी में स्वर्ण पदक जीतता था। खशाबा एकमात्र भारतीय ओलंपिक पदक विजेता हैं जिन्हें कभी पद्म पुरस्कार नहीं मिला। खशाबा के पैर बेहद फुर्तीले थे. अपने समय के अन्य पहलवानों से उनकी शैली अलग थी। इंग्लिश कोच रीस गार्डनर ने उनमें यह गुण देखा और 1948 के ओलंपिक खेलों से पहले उन्हें

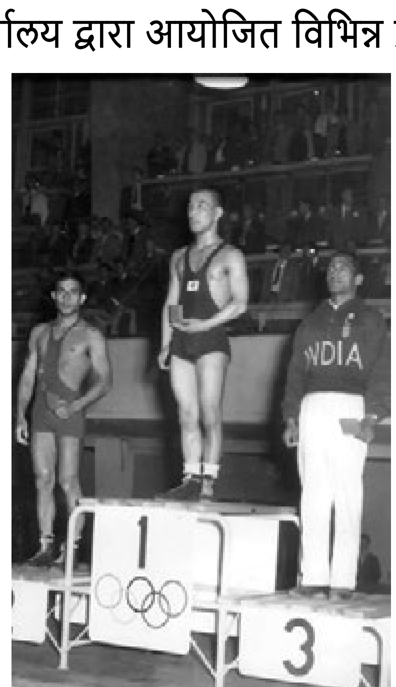


प्रशिक्षित किया। वह कराड के पास गोलेश्वर गांव के रहने वाले थे। कुश्ती में उनके योगदान के लिए उन्हें मरणोपरान्त 2000 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। ऐसे महान खिलाड़ी को चंद्रपुर के खेल जगत ने याद कर खेल दिवस शानदार तरीके से मनाया.

इस अवसर पर खिलाड़ियों ने वॉलीबॉल, मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, स्केटिंग, कुश्ती, रस्साकशी, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, कबड्डी, खो-खो और तैराकी जैसे विभिन्न खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिले के सभी स्कूलों, कॉलेजों और खेल बोर्डों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से राज्य खेल दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। जिला खेल अधिकारी कार्यालय द्वारा विभिन्न खेल स्थलों का दौरा किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट खिलाड़ियों के साथ ऑनलाइन बातचीत भी की गई।

इसके साथ ही, खाशाबा जाधव के जीवन पर प्रकाश डालने के लिए एक विशेष कार्यक्रम, संगोष्ठी, चर्चा और व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आहार विशेषज्ञ लीना ने संतुलित आहार पर मार्गदर्शन प्रदान किया। जिला खेल अधिकारी ने खिलाड़ियों को बताया कि खेल विभाग लोगों में खेल संस्कृति पैदा करने तथा जिले में भौतिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत है। साथ ही तालुका खेल अधिकारी जयश्री देवकर ने मंत्र दिया कि खेलोगे तो निखरोगे।

राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक विजेता, वॉलीबॉल खिलाड़ी तथा राष्ट्रीय आयु वर्ग 17 में लखनऊ गए महाराष्ट्र के प्रतिनिधि प्रबंधक रामू नागापुरे का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का परिचय खेल अधिकारी मनोज पंधानम ने दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंध खेल अधिकारी मोरेश्वर गायकवाड़ ने की तथा आभार प्रदर्शन खेल मार्गदर्शक संदीप उइके ने किया।

## विधायक किशोर जोरगेवार की संकल्पना से विदर्भ स्तरीय बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन

**चंद्रपुर.**

विधायक किशोर जोरगेवार की संकल्पना से श्री माता महाकाली खेल महोत्सव का आयोजन किया गया है. इसके तहत आज शनिवार को शाम 5 बजे गांधी चौक स्थित मनपा मैदान में विदर्भ स्तरीय बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी. इस प्रतियोगिता में विदर्भ के 100 से अधिक बॉडी बिल्डर भाग ले रहे हैं ।

इस टूर्नामेंट का विशेष आकर्षण हरियाणा के मिस्टर वर्ल्ड नरेंद्र यादव होंगे। प्रतियोगिता के विजेताओं को आमदार श्री 2025 का नकद पुरस्कार , 55,555 रुपये, बेस्ट पोजर को 33,333 रुपये, बेस्ट इम्प्रोव को 22,222 रुपये और एक ट्रॉफी दी जाएगी । श्री माता महाकाली खेल महोत्सव में हर साल की तरह इस साल भी कुश्ती, कबड्डी , बॉडी बिल्डिंग जैसे विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया है । इस प्रतियोगिता से खेल जगत को बढ़ावा मिलने से युवाओं को प्रेरणा मिलेगी।

# भविष्य को बचाना है तो पर्यावरण को बचाना जरूरी: राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन

**चंद्रपुर.**

जनसंख्या बढ़ने के साथ-साथ जरूरतें भी बढ़ गई हैं। इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। इसलिए पर्यावरण संतुलन पूरी तरह से बिगड़ चुका है और अगर हमें अपना भविष्य बचाना है तो पर्यावरण को बचाना जरूरी है। राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन का मानना है कि यदि हम आज कदम उठाएं तो आने वाली पीढ़ी को बेहतर भविष्य प्रदान कर सकते हैं।

एसएनडीटी वीमेन्स विश्वविद्यालय और सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क द्वारा संयुक्त रूप से चंद्रपुर में आयोजित तीन दिवसीय 'जलवायु परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' का उद्घाटन करते हुए। राधाकृष्णन बोल रहे थे। प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक सुधीर मुनगंटीवार, देवराव भोंगले, एस.एन.डी.टी. विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. इस अवसर पर श्रीमती उज्वला चक्रदेव, प्रभारी जिला कलेक्टर विवेक जॉनसन, प्रसिद्ध जलपुरुष राजेंद्र सिंह, हैदराबाद में अमेरिकी महावाणिज्यदूत

सलिल कादर, सीटी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर नील फिलिप आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल राधाकृष्णन ने कहा कि, "जनसंख्या अधिक होने के कारण जरूरतें भी बढ़ गई हैं।" इसलिए, प्राकृतिक संसाधन कम होते जा रहे हैं। जल, जंगल और जमीन बचेंगे तभी पर्यावरण बचेगा। एसएनडीटी विश्वविद्यालय, सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क और महाराष्ट्र सरकार की संयुक्त पहल से चंद्रपुर में पर्यावरण संरक्षण जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया है। यह सम्मेलन निश्चित रूप से मानवता के सामने मौजूद सबसे गंभीर समस्या, जलवायु परिवर्तन, का समाधान सुझाएगा।

जलवायु परिवर्तन और बढ़ते समुद्री स्तर ने पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ दिया है, जिससे मानव जीवन प्रभावित हो रहा है। इस संबंध में समय रहते कदम उठाना आवश्यक है। इसलिए, ऐसे सम्मेलनों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा और कार्यान्वयन में मदद मिलेगी। साथ ही, भावी पीढ़ियों के लिए भी अच्छे कदम उठाए जा सकेंगे। यह एक अच्छी शुरुआत है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में पर्यावरण विषय को काफी हद तक शामिल किया गया है।

एसएनडीटी विश्वविद्यालय के बारे में बात करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय ने चंद्रपुर जैसे दूरदराज के जिलों में उप-केंद्र खोलकर महिलाओं के लिए कौशल विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि लगभग 50 एकड़ क्षेत्र में बनने वाला यह विश्वविद्यालय सही मायने में महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करेगा।

जल, जमीन, जंगल हमारे देवता हैं : जल पुरुष राजेंद्र सिंह

आज चंद्रपुर में 'जलवायु परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' विषय पर एक बहुत अच्छी पहल का आयोजन किया गया है। महाराष्ट्र देश का एकमात्र राज्य है जिसने जल साक्षरता लागू की है। जल, जमीन और जंगल बचाएंगे तभी हमारी संस्कृति भी बचेगी। तो ये है हमारा भगवान. मंत्री रहते हुए सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि 'आइये इस नदी को जानें' पहल को क्रियान्वित करके राज्य की 108 नदियों को पुनर्जीवित करने का कार्य किया। उन्होंने यह भी कहा कि नदियों को बचाना जरूरी है।

# शाहिद कपूर के दमदार एक्शन ने 'देवा' में मचाया धमाल

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर की मच-अवेटेड एक्शन थ्रिलर फिल्म 'देवा' देखने के लिए फैंस बेकरार हैं. कुछ समय पहले इसका एक धमाकेदार टीजर जारी किया गया था, जिसने फैंस को नए साल में चौंका दिया था. जिसके बाद, एक एनर्जी से भरपूर गाना 'भसड़ मचा' भी रिलीज हुआ जिसे देखकर एक्टर के फैंस झूम उठे थे. अब फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज किया गया है.

फिल्म को रिलीज होने में महज दो हफ्ते का समय बचा है. इस बीच फिल्म की धांसू मार्केटिंग भी दिखाई पड़ रही है. फिल्म का ट्रेलर सभी की उम्मीदों से बढ़कर निकला है. इसमें तेज रफ्तार, जबरदस्त एक्शन और दमदार इंटेंसिटी देखने को मिल रही है. फिल्म में शाहिद का किरदार उनकी दो फिल्में 'कबीर सिंह' और 'हैदर' जैसा दिखाई पड़ा. जिसका लुक 'हैदर' जैसा, तो वहीं उसके अंदर गुस्सा 'कबीर सिंह' जैसा है. हालांकि ट्रेलर में ये काफी जबरदस्त नजर आ रहा है जिसे फैंस फिल्म में देखने के लिए उत्सुक होंगे.

फिल्म की कहानी भी ट्रेलर में रिवील नहीं की गई जिससे फिल्म देखने का इंट्रेस्ट बढ़ता दिखाई दे रहा है.फिल्म की कहानी भी ट्रेलर में रिवील नहीं की गई जिससे फिल्म देखने का इंट्रेस्ट बढ़ता दिखाई दे रहा है. ट्रेलर में जो दिल को धड़काने वाला बैकग्राउंड म्यूजिक है, वो रोमांच को और भी बढ़ा देता है. देव अंबरे के किरदार में शाहिद पूरी तरह से छाए हुए हैं. उनके एक्शन सीन्स और जबरदस्त स्टंट्स देखकर फैंस काफी खुश होंगे. उन्हें काफी लंबे समय के बाद उनकी एक दमदार परफॉर्मेंस देखने को मिलेगी. शाहिद के साथ एक्ट्रेस पूजा हेगड़े भी एक अहम रोल निभाती नजर आएंगी.

इसके अलावा, कुब्रा और पवैल गुलाटी जैसे शानदार एक्टर्स भी फिल्म में शामिल हैं. इस फिल्म को मशहूर मलयालम डायरेक्टर रोशन एंड्रयूज ने डायरेक्ट किया है. जी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स के प्रोडक्शन में बनी 'देवा' 31 जनवरी 2025 को थिएटर्स में रिलीज होगी.

एक्टर शाहिद कपूर बॉलीवुड के सबसे टैलेंटेड एक्टर्स में से एक हैं. उनका डांस और एक्टिंग रेंज के लोग कायर हैं. वो इंडस्ट्री के उन एक्टर्स में से हैं जो अपनी फिल्मों के साथ एक्सपेरिमेंट्स करने में विश्वास रखते हैं. जिससे उन्हें एक बड़ी हिट फिल्म मिल पाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है. पिछली बार शाहिद की सबसे बड़ी हिट फिल्म 'कबीर सिंह' थी. वो फिल्म भले ही एक रीमेक थी, लेकिन हिंदी ऑडियंस को शाहिद की एक्टिंग फिल्म में जबरदस्त लगी थी.

इसके बाद शाहिद ने एक और रीमेक फिल्म 'जर्सी' की थी. लेकिन वो फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चल पाई. एक्टर ने फिर एक अनोखी लव स्टोरी फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में काम किया. जिसे ऑडियंस ने एक हद तक ही पसंद किया था. लेकिन वो उनके टैलेंट के हिसाब से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी. अब, 'देवा' के ट्रेलर से ऐसा दिखाई पड़ रहा है कि शाहिद ने इस फिल्म में अपनी पूरी जान झोंक दी है और वो इसे साल की सबसे बड़ी हिट फिल्म बनाकर ही रहेंगे.

# वो दाएं सोचती है तो मैं बाएं...

## अक्षय ने अपने रिश्ते के पीछे का सच बताया

अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना फिल्म इंडस्ट्री के बेस्ट कपल्स में से एक हैं. दोनों अक्सर कपल गोल्स देते नजर आते हैं. ट्विंकल और अक्षय कुमार दोनों डाउन टू अर्थ हैं और शादी के 23 साल के बाद भी स्ट्रांग बॉन्ड शेयर करते हैं. अक्षय कुमार ने एक बार ट्विंकल खन्ना संग रिश्ते के बारे में कहा था कि उनके और उनकी पत्नी के अलग-अलग विचार दोनों के रिश्ते को ताकत देते हैं और अलग विचारों के लोगों का अच्छा तालमेल होता है. ऐसे में उनकी पार्टनरशिप दूसरों को कपल गोल्स देती है.

एक इंटरव्यू के दौरान अक्षय कुमार ने इसपर भी बात की थी कि कैसे वो एक छोटे कस्बे में रहते थे और ट्विंकल खन्ना साउथ मुंबई के पॉश इलाके में रहती थीं, तो हम दोनों की दुनिया बिल्कुल अलग थी. अक्षय ने मजाकिया लहजे में कहा था कि "ये बहुत अजीब था और मुझे बिल्कुल आइडिया नहीं था. मैं दाएं सोचता था तो वो बाएं सोचती थी. लेकिन हमारे अलग-अलग विचार ही हमें यूनिक तरीके से एकसाथ लेकर आए."

अक्षय कुमार ने अपने और ट्विंकल के बीच के रिलेशनशिप का एक अनोखा एंगल भी शेयर किया था. उन्होंने बताया कि वो अपने ओपीनियन ट्विंकल के साथ तभी शेयर करते हैं, जब वो उनकी राय मांगती हैं. "अगर वो मुझे उनका कॉलम पढ़ने के लिए कहती हैं तो मैं पढ़ता हूं. जब वो मुझसे कॉलम पर अपनी राय मांगती है तभी मैं उसको राय देता हूं कि ये चीज सही नहीं है. अगर वो कुछ नहीं पूछती है तो मैं चुप रहता हूं और उसकी लाइफ में बिल्कुल भी दखलंदाजी नहीं करता हूं, और न ही वो मेरी लाइफ में कोई इंटरफेयर करती है."

अक्षय कुमार के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' है, जो कि हॉरर कॉमेडी है. इस फिल्म का डायरेक्शन प्रियदर्शन कर रहे हैं. 'भूत बंगला' में वामिका गब्बी, तब्बू, परेश रावल, असरानी और राजपाल यादव नजर आने वाले हैं. ये फिल्म 2 अप्रैल 2026 को रिलीज होने के लिए तैयार है. 'भूत बंगला' की शूटिंग जयपुर के चोमू पैलेस में बड़े पैमाने पर हो रही है. रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म का 60% हिस्सा इसी ऐतिहासिक जगह पर फिल्माया जाएगा. इस फिल्म की कहानी कुछ ऐसी है कि एक भूतिया जगह है जहां पर सुपर नेचुरल एक्टिविटीज होती हैं, जो कि डराती नहीं हैं, बल्कि हंसाती हैं.

# कंगना रनौत से राशा थडानी की टक्कर!

सिनेमाघरों में 17 जनवरी 2025 यानी आज एक साथ दो-दो फिल्मों ने दस्तक दी है. दो फिल्मों का साथ रिलीज होना मतलब दोनों के बीच बॉक्स ऑफिस पर जंग शुरू होना. एक तरफ कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' रिलीज हुई है. वहीं दूसरी तरफ रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अजय देवगन के भांजे अमन देवगन की फिल्म 'आजाद' भी थिएटर में लग चुकी है. 'आजाद' के जरिए राशा और अमन फिल्मों में डेब्यू करने जा रहे हैं. फिल्म के ट्रेलर और गानों ने लोगों के बीच अच्छा-खासा बज भी बनाया हुआ है. वहीं कंगना की 'इमरजेंसी' रिलीज के पहले से ही विवादों का हिस्सा बनी हुई है. चलिए जानते हैं कि पहले दिन कौन-सी फिल्म ज्यादा कमाई कर पाएगी.

कंगना रनौत एक बड़ी स्टार हैं और इस बात में भी कोई शक नहीं है कि वो अच्छी एक्ट्रेस भी हैं. कंगना अपनी एक्टिंग से सभी को कई दफा इंप्रेस कर चुकी हैं. 'इमरजेंसी' के प्री-सेल्स की बात करें तो ये राशा और अमन की फिल्म आजाद से ज्यादा हैं. हालांकि बाकी फिल्मों के मुकाबले दोनों ही फिल्मों की एडवांस बुकिंग ने कोई कमाल करके नहीं दिखाया है. एडवांस बुकिंग की रेस में फिलहाल कंगना रनौत की 'इमरजेंसी' आगे चल रही है.'इमरजेंसी' को खुद कंगना ने डायरेक्ट किया है. इस फिल्म में उनके साथ दिग्गज सितारों की टोली नजर आने वाली है. फिल्म में कंगना के अलावा अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन जैसे सितारे मौजूद हैं. 'इमरजेंसी' के पहले दिन के बॉक्स ऑफिस प्रीडिक्शन की बात की जाए कंगना की फिल्म ओपनिंड डे पर 3 से 5 करोड़ का कारोबार कर सकती है. हालांकि रात 10.30 बजे तक फाइनल प्रीडिक्शन भी सामने आ जाएगा.

राशा थडानी और अमन देवगन की फिल्म 'आजाद' कमाई के मामले में शायद कंगना रनौत की फिल्म से मात खा जाएगी. दोनों ही फिल्मों एक-दूसरे से काफी अलग है. वहीं कंगना का फैन बेस राशा और अमन पर भारी पड़ सकता है. 'आजाद' रिलीज के पहले दिन 1 से 2 करोड़ की कमाई कर सकती है. इस फिल्म पर यंग जनरेशन की निगाहें टिकी हुई हैं. हालांकि अभी फाइनल प्रीडिक्शन के आंकड़े आने बाकी हैं.

# इंसान और घोड़े के बीच यूनिक फ्रेंडशिप ने जीता दिल

फिल्म 'आजाद' का कॉन्सेप्ट, टीजर और ट्रेलर में काफी ऑफ-बीट नजर आया था। एक्शन और रोमांस के इस दौर में जानवर और इंसान के प्यार की कहानी क्या कुछ कर भी पाएगी? इससे पहले भी 'हाथी मेरे साथी', 'तेरी मेहरबानियां' और 'दूध का कर्ज' जैसी फिल्मों में जानवरों और इंसानों के रिश्ते को दिखाया जा चुका है। लेकिन 'आजाद' इन फिल्में से एक कदम आगे बढ़कर है। इस फिल्म का घोड़े के नाम पर टाइटल रखा गया है। फिल्म में कुछ तो अलग आपको देखने को मिलने ही वाला है। आइए आपको बताते हैं फिल्म का पूरा रिव्यू।

फिल्म की कहानी 1920 के दौर की है, जब भारत में अंग्रेजों की हुकूमत थी और ज़मींदारों द्वारा किसानों पर अत्याचार किया जाता था। गोविंद (अमन देवगन) एक जमींदार राय बहादुर (पीयूष मिश्रा) के यहां घोड़ों की देखभाल करने का काम करता था। राय बहादुर का बेटा तेज बहादुर (मोहित मल्लिक) इलाके का क्रूर जमींदार था, जबकि उसकी बहन जानकी (राशा थडानी) को घुड़सवारी का शौक था। गोविंद खुद भी घुड़सवारी का शौकीन था, लेकिन उस दौर में निचले वर्ग के लोगों को जमींदारों के घोड़ों पर बैठने की इजाजत नहीं थी। हालात कुछ ऐसे बनते हैं कि गोविंद को गांव छोड़कर भागना पड़ता है, और वह जाकर डाकू विक्रम सिंह (अजय देवगन) से मिलता है। विक्रम सिंह के घोड़े 'आज़ाद'से गोविंद को गहरा लगाव हो जाता है। तेज बहादुर और अंग्रेज़ विक्रम सिंह के खिलाफ साजिश रचते हैं और अंततः विक्रम सिंह की हत्या करवा देते हैं। मरते वक्त विक्रम सिंह आजाद को गोविंद के हवाले करके जाता है। अब अंग्रेजों की नजर आजाद पर है, और वे उसे कब्जे में लेना चाहते हैं। इसके बाद कहानी में कई मोड़ लेती है।

डायरेक्टर अभिषेक कपूर ने फिल्म के प्रमोशन के दौरान बताया था कि उन्होंने 2016 में इस स्क्रिप्ट को लिखा था और इसे बनाने का सपना देखा था। लंबे समय तक स्क्रिप्ट पर काम करने का असर फिल्म पर भी दिखता है। अभिषेक कपूर ने सुरेश नायर और रितेश शाह के साथ मिलकर फिल्म लिखी है। डायरेक्शन दमदार है, लेकिन स्क्रिप्ट में कुछ खामियां नजर आती हैं। अगर विक्रम सिंह लंबे समय से गांववालों के लिए लड़ रहा था, तो उसकी मौत के बाद गांव वाले खामोश क्यों हैं? इसके अलावा, तेज बहादुर (मोहित मल्लिक) की पत्नी केसर (डायना पेंटी) का अपने ससुर के साथ एक ही टेबल पर खाना खाना 1920 के दौर के हिसाब से कुछ ज्यादा मॉर्डन लगता है।

# सैफ से पहले शाहरुख़ को बनाया था निशाना

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हुए जानलेवा हमले पर बड़ा अपडेट सामने आया है। इस मामले में एक संदिग्ध व्यक्ति को मुंबई पुलिस ने हिरासत में ले लिया गया है। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है इसी व्यक्ति ने 14 जनवरी को शाहरुख खान के घर 'मन्नत' की रेकी की थी। हालांकि, कड़ी सुरक्षा की वजह से शाहरुख के घर के अंदर घुसने में सफल नहीं हो पाया। आइए जानते हैं कि क्या हैं क्या है पूरी अपडेट?

14 जनवरी को एक अनजान व्यक्ति ने बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान के घर "मन्नत" के आसपास रेकी की थी। बताया जा रहा है कि यह व्यक्ति मन्नत के पास स्थित रिट्रीट हाउस के पीछे की तरफ 6 से 8 फीट लंबी लोहे की सीढ़ी लगाकर बंगले के अंदर झांकने की कोशिश कर रहा था। इस हरकत को देखकर सुरक्षाकर्मी सतर्क हो गए, और बाद में पुलिस ने भी इस मामले में गंभीर हो गई।

सैफ अली खान के घर में हुए हमले के मामले में मुंबई पुलिस ने जिस संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया है। उस पर ही उन्हें डाउट हो रहा है कि शाहरुख खान के घर की रेकी करने वाला व्यक्ति वही हो सकता है, जिसने 15 जनवरी की रात सैफ अली खान पर हमला किया था। पुलिस को शाहरुख खान के घर के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज मिली है, जिसमें दिखने वाले संदिग्ध की कद-काठी और बॉडी स्ट्रक्चर सैफ अली खान के हमलावर से मिलती-जुलती है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस को डाउट है कि यह व्यक्ति अकेला नहीं था। जिसने लोहे की सीढ़ी को एक्टर के घर में तहकीकात करने के लिए किया क्योंकि वह भारी थी कि उसे अकेले उठाना मुश्किल है। इसे उठाने और सेट करने के लिए कम से कम दो से तीन लोगों की जरूरत होगी। पुलिस इस पूरे मामले की जांच करने में लगी है।

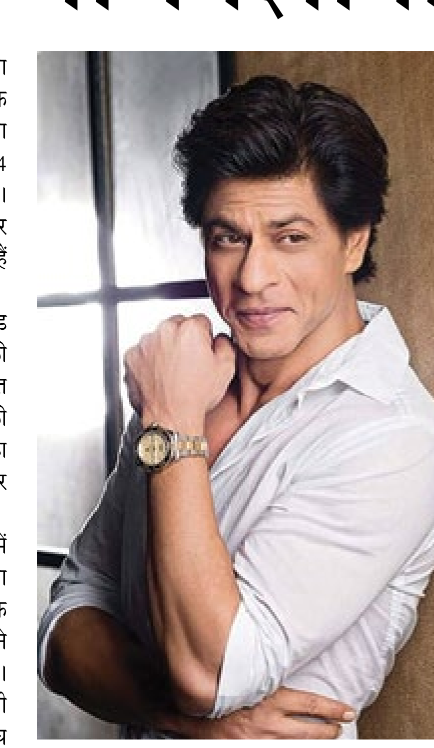

सैफ अली खान पर 15 जनवरी को हमला हुआ था। इसके बाद पुलिस की टीम दोबारा से शाहरुख खान के घर मन्नत जांच करने पहुंची थी। इस मामले में उनके परिवार की तरफ से कोई ऑफिशियल शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। लेकिन फिर भी पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में लगी हुई है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि जिस सीढ़ी का इस्तेमाल किया गया, वह कहीं से चोरी की गई थी या नहीं।

# राधिका मर्चेंट ने धूमधाम से मनाया संक्रांति का त्योहार

अंबानी परिवार के लोग जिस काम में भी हाथ डालते हैं उसे ग्रैंड लैवल पर करते हैं. अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है जब राधिका मर्चेंट और अनंत अंबानी की शादी ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था. इस शादी में देश विदेश के एक से बढ़कर एक चेहरे नजर आए थे. महीनों बीत जाने के बाद भी लोग राधिका मर्चेंट और अनंत अंबानी की शादी को भुला नहीं पाए हैं. इसी बीच राधिका मर्चेंट और अनंत अंबानी का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रहा है. हाल ही में राधिका मर्चेंट और अनंत अंबानी ने शादी के बाद अपने परिवार के साथ पहली बार मकर संक्रांति का त्योहार मनाया था. इस दौरान मुकेश अंबानी और नीता अंबानी अपने परिवार के साथ समय बिताते नजर आए.

वहीं राधिका मर्चेंट और अनंत अंबानी ने भी सुर्खियां बटोरनी शुरू कर दी हैं. वायरल हो रहे वीडियो में अंबानी परिवार के लोग अपनी छत पर पतंगबाजी करते नजर आ रहे हैं. वहीं घर की महिलाओं को भी पतंगबाजी का मजा लेते हुए देखा जा रहा है. मकरसंक्रांति के मौके पर अंबानीज ने अपने घर की छत को अच्छे से सजाया है. अब ये वीडियो लोगों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

अंबानी परिवार के जश्न का वीडियो देखकर लोग लगातार रिएक्शन दे रहे हैं. इस वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, इतनी तो पगंत भी सोने की होगी. एक दूसरे यूजर ने लिखा, भाई कुछ भी कहो अंबानिज के पास पैसा बहुत है तभी तो काम करने के समय में पतंगबजी कर रहे हैं. आज के समय में कौन पतंग उड़ा पाता है. इतना ही नहीं एक यूजर ने तो ये तक बोल दिया कि मुझे केवल अंबानी की पतंग ही काटनी है. अगर ऐसा हो गया तो मेरे मजे आ जाएंगे.

# बीते 18 सालों में बदल चुकी है बिग बॉस की ट्रॉफी

सलमान खान का शो बिग बॉस कलर्स टीवी पर हर साल प्रसारित होने वाला टीवी रियलिटी शो है. कोरोना में भी इस शो ने लोगों का खूब मनोरंजन किया था. कोरोना जैसी बीमारी भी इस शो को नहीं रोक पाई. इस सील लोग बिग बॉस के 18वं सीजन का मजा ले रहे हैं. जल्द ही बिग बॉस 18 का फिनाले होने वाला है. कुछ देर पहले ही बिग बॉस 18 की ट्रॉफी की फोटो सेट से लीक हो गई है. बिग बॉस 18 की ट्रॉफी बाकी सीजन्स से काफी अलग नजर आ रही है. वहीं विनर की प्राइज मनी को लेकर भी तरह तरह की खबरें आ रही हैं. बिग बॉस के 18 साल के इतिहास में ट्रॉफी और प्राइज मनी में काफी बदलाव देखने को मिले हैं. अपनी इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि बीते 18 सालों में बिग बॉस की ट्रॉफी और प्राइज मनी कितने बदले हैं.बिग बॉस 1 के विनर आशिकी स्टार राहुल रॉय रहे थे जिन्होंने फिनाले में एक करोड़ रुपए जीते थे. उस जमाने में बिग बॉस ट्रॉफी कुछ ऐसी दिखा करती थी. तस्वीर में आप ट्रॉफी के टॉप पर गोल आकार का डिजाइन देख सकते हैं.बिग बॉस के दूसरे सीजन में मेकर्स ने ट्रॉफी में कोई खास बदलाव नहीं किया था।

बिग बॉस सीजन 2 की ट्रॉफी को आशुतोष कौशिक ने जीता था। उस वक्त भी विनिंग राशी भी एक करोड़ रुपये ही थी.बिग बॉस का तीसरा सीजन विंदू दारा सिंह ने अपने नाम किया था. तीसरे सीजन में बिग बॉस की ट्रॉफी भी सीजन 2 की तरह ही नजर आती थी. उस जमाने में प्राइज मनी में भी मेकर्स ने कोई बदलाव नहीं किया था.बिग बॉस का चौथा सीजन टीवी की प्रेरणा श्वेता तिवारी ने जीता था. इस बार पहली दफा बिग बॉस की ट्रॉफी में बदलाव नजर आए. वी शेप की इस ट्रॉफी ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा था.

# विदर्भ पहली बार विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा

**मुंबई.**

विदर्भ के कप्तान करुण नायर का शानदार प्रदर्शन जारी है. लगातार अजेय रहे करुण ने गुरुवार को महाराष्ट्र को हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश कर लिया. गुजरात के वडोदरा मैदान पर खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में विदर्भ ने महाराष्ट्र को 69 रनों से हराया. विदर्भ की ओर से ध्रुव शोरे और यश राठौड़ के शतक के अलावा फॉर्म में चल रहे करुण नायर के अर्धशतक लगाया. अब फाइनल में उसका सामना शनिवार को चार बार के चैंपियन कर्नाटक से होगा.

महाराष्ट्र ने टॉस जीत कर विदर्भ को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया. विदर्भ के ओपनर बल्लेबाजों ने रुतुराज गायकवाड़ के निर्णय को पूरी तरह धता बताते हुए पहले विकेट के लिए 224 रन की साझेदारी कर डाली. ध्रुव शौरी ने 114 रन (120 गेंद, 14 चौक, एक छक्का) और यश राठौड़ ने 116 रन (101 गेंद, 14 चौके, एक छक्का) की शतकीय पारी खेली. इसके अलावा कप्तान करुण नायर के नाबाद 88 रन (44 गेंद, नौ चौके, पांच छकके) की बदौलत विदर्भ ने तीन विकेट के नुकसान पर 380 रन का विशाल स्कोर बना दिया. महाराष्ट्र की ओर से मुकेश चौधरी ने 2 विकेट लिए. 381 रन के जवाब में महाराष्ट्र की टीम कभी भी लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में नहीं दिखी. कप्तान रुतुराज गायकवाड़ 7 रन बनाकर दर्शन नालकंडे की गेंद पर जीतेश को कैच थमा बैठे. इसके बाद अर्शिन कुलकर्णी और राहुल त्रिपाठी ने उसकी पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन विदर्भ की कसी हुई गेंदबाजी के आगे महाराष्ट्र बेबस नजर आया. कुलकर्णी के 90 रन और अंकित बावने के 50 रन के बावजूद सात विकेट पर 311 रन ही बना सकी. निखिल नाइक ने अंत में 26 गेंद में 49 रन की आक्रामक पारी खेलकर महाराष्ट्र का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाया. विदर्भ ने अंतिम सात ओवर में 100 से अधिक रन लुटाए. लेकिन बल्लेबाजों ने टारगेट इतना बड़ा दिया था कि महाराष्ट्र के लिए लक्ष्य अंत तक भारी पड़ा. विदर्भ के लिए तेज गेंदबाज नालकंडे और नचिकेत भूटे ने तीन-तीन विकेट लिए.

**करुण नायर के नाम रही है विजय हजारे ट्रॉफी**

करुण नायर के लिए यह टूर्नामेंट लाजवाब रहा है. उन्होंने इस दौरान 752 के अविश्वसनीय औसत से 8 मैचों में अपने रनों की संख्या भी 752 तक पहुंचाई है. उनके लिस्ट ए करियर का औसत भी टूर्नामेंट के पहले के 31.74 से बढ़कर 41.34 पर पहुंच गया. उन्होंने 8 मैचों की 7 पारियों में 5 शतक की मदद से 752 रन बनाए. उनके 5 में से 4 शतक लगातार आए हैं. वह टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी हैं. उनका स्ट्राइक रेट 130 से ज्यादा का रहा.

# 'शतरंज को ओलंपिक का हिस्सा बनते देखना पसंद करूंगा'

**नई दिल्ली.**

शतरंज के नए विश्व चैंपियन डी गुकेश उस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं जब यह खेल ओलंपिक स्पर्धाओं का हिस्सा बन जाएगा और उनका कहना है कि इससे यह सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में एक अलग स्तर पर पहुंच जाएगा। हाल ही में सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व चैंपियन बने 18 वर्षीय गुकेश ने गुरुवार को अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) द्वारा उन्हें और विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक समारोह के दौरान कहा कि लगभग एक महीने तक चले जश्न के बाद वह अपने अगले टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की जोरदार वकालत की है और गुकेश ने कहा कि अगर यह भव्य आयोजन भारत को मिलता है और शतरंज इसका हिस्सा बनता है,

तो यह एक सपने के सच होने जैसा होगा। गुकेश ने समारोह में कहा, 'मैं शतरंज को ओलंपिक का हिस्सा बनते देखना पसंद करूंगा, खासकर अगर यह भारत में हो। मुझे लगता है कि शतरंज को काफी लोकप्रियता और समर्थन मिल रहा है। मैं इसके लिए वाकई खुश हूं और ओलंपिक इसे अगले स्तर पर ले जाएगा। मैं वाकई इसके लिए उत्साहित हूं। इस समारोह में हम्पी को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने हाल में न्यूयॉर्क में अपना दूसरा विश्व रैपिड खिताब जीता था। एआईसीएफ ने गुकेश को विश्व खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर बनने के लिए एक करोड़ रुपये का पुरस्कार देने की भी घोषणा की। उनके सहयोगी स्टाफ के प्रयासों को मान्यता देते हुए महासंघ ने उनकी टीम को 50 लाख रुपये दिए जिससे उन्हें इस टूर्नामेंट की तैयारी में मदद मिली। हम्पी को उनके प्रयासों के लिए 50 लाख रुपये मिले जबकि न्यूयॉर्क में विश्व ब्लिट्ज चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली आर वैशाली को 20 लाख रुपये दिए गए।

# आईपीएल से इन खिलाड़ियों पर लगेगा सीधा बैन

**नई दिल्ली.**

टीम में 'अनुशासन, एकता और सकारात्मक माहौल' को बढ़ावा देने के लिए बीसीसीआई ने एक बेहतरीन कदम उठाते हुए 10 बिंदुओं का एक गाइडलाइन डॉक्यूमेंट जारी किया है। इसका पालन ना करने पर बीसीसीआई ना सिर्फ़ अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकता है, बल्कि उनका सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ख़त्म करते हुए उन पर आईपीएल और घरेलू क्रिकेट खेलने पर प्रतिबंध भी लगा सकता है। 'पालिसी डॉक्यूमेंट फॉर टीम इंडिया ' नामक यह डॉक्यूमेंट गुरूवार को खिलाड़ियों को भेजा गया, जिसमें पिछले सप्ताह हुई रिव्यू मीटिंग के सलाह शामिल हैं। यह मीटिंग न्यूज़ीलैंड सीरीज़ और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफ़ी में मिली करारी हार के बाद बुलाई गयी थी, जिसमें टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर, टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर सहित बीसीसीआई के नए सचिव बने देवजीत सैकिया ने भी हिस्सा लिया था।

मीटिंग में कहा गया कि कुछ खिलाड़ी मैच या अभ्यास के लिए टीम बस की जगह अपनी अलग से यात्रा करते हैं, जिससे टीम का अनुशासन भंग होता है। इसके अलावा यह भी कहा गया कि कुछ खिलाड़ी अभ्यास सत्रों में ग्रुप के साथ समय नहीं बिता रहे हैं, जिससे टीम का माहौल ख़राब होता है। बीसीसीआई ने कहा है कि अगर किसी खिलाड़ी को किन्हीं विशेष परिस्थितियों में मैच या ट्रेनिंग के लिए अलग से यात्रा करनी है तो उन्हें मुख्य कोच या मुख्य चयनकर्ता से पहले से अनुमति लेनी होगी। इसके अलावा उन्हें किसी अभ्यास सत्र में पूरे समय तक रहना होगा, भले ही उनकी ट्रेनिंग पहले समाप्त हो गई हो।

दौरों पर भी खिलाड़ियों को परिवार के साथ अलग से यात्रा करने की बजाय टीम के साथ ही यात्रा करने का सुझाव दिया गया है, ताकि टीम में अनुशासन और संगठन को बल मिले। यह भी कहा गया है कि अगर कोई सीरीज़ या दौरा तय समय से पहले ख़त्म हो जाता है तब भी खिलाड़ी अपने मन से अलग से यात्रा ना करें, इससे टीम की एकता प्रभावित होती है।परिवार लंबे दौरे पर सिर्फ़ एक बार ही आ सकता है, जिनके ख़र्चों का ख़्याल खिलाड़ी को ही रखना होगा।

# मनु भाकर-गुकेश सहित चार को मिला खेल रत्न

**नई दिल्ली.**

पेरिस ओलंपिक में दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की महिला निशानेबाज मनु भाकर और विश्व शतरंज चैंपियनशिप के विजेता भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश सहित चार खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में खेल पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। इस दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया और अन्य केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहे। खेल मंत्रालय द्वारा जनवरी के शुरुआती सप्ताह में खेल पुरस्कार 2024 की घोषणा की गई थी और राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू ने पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। मनु और गुकेश के अलावा भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालंपियन

प्रवीण कुमार को भी खेल रत्न पुरस्कार दिया गया। 22 वर्ष की मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनी थीं जिन्होंने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक में ही हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत ने लगातार दूसरे ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। 18 वर्ष के गुकेश सबसे युवा विश्व चैंपियन बने जो पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक में भी सूत्रधार रहे थे। पैरा हाई जंपर प्रवीण ने पेरिस पैरालंपिक में टी64 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। यह उन खिलाड़ियों की श्रेणी है जिनका घुटने से नीचे एक या दोनों पैर नहीं होता है और वे दौड़ने के लिए कृत्रिम पैर पर निर्भर होते हैं।

34 खिलाड़ियों को मिला अर्जुन पुरस्कार: खेल रत्न के अलावा 34 खिलाड़ियों को 2024 में खेलों में उत्कृट प्रदर्शन के लिए अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया जिसमें से एथलीट सुचा सिंह और पैरा तैराक मुरलीकांत राजाराम पेटकर को अर्जुन अवॉर्ड लाइफटाइम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बेहतर कोचिंग देने के लिए पांच लोगों को द्रोणाचार्य पुरस्कार मिला, जिसमें बैडमिंटन कोच एस मुरलीधरन और फुटबॉल कोच अरमांडो एगनेलो कोलाको को लाइफटाइम वर्ग में शामिल हैं।

# भारतीय महिला टीम की नजरें फिर होगी खिताब पर

**नई दिल्ली.** आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 18 जनवरी से मलेशिया में हो रही है। पिछले सीजन की चैंपियन रही भारतीय महिला टीम इस बार खिताब बचाने के इरादे से उतरेगी। साथ-साथ ही इस वर्ल्ड कप को जीतकर नया इतिहास रचने की कोशिश करेगी। भारतीय महिला अंडर-19 टीम इस टूर्नामेंट में 19 जनवरी को अपना पहला मुकाबला खेलेगी। भारत ने 2023 में साउथ अफ्रीका में हुआ पहला विश्व कप जीता था। भारतीय टीम ने फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था। इस बार भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है। भारत के साथ इस ग्रुप वेस्टइंडीज, श्रीलंका और मेजबान मलेशिया के साथ रखा गया है।

भारतीय टीम रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला मैच खेलेगी. भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 19 जनवरी को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेगी। यह मुकाबला दोपहर 12 बजे से खेला जाएगा। वहीं दूसरा मुकाबला 21 जनवरी को मलेशिया के खिलाफ खेला जाएगा। तीसरा और आखिरा मुकाबला 23 जनवरी को खेला जाएगा। तीनों मुकाबले 12 बजे से खेले जाएंगे। महिला अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप में इस बार 16 टीमें भाग ले रही है। 16 टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है। लीग राउंड के बाद टीमें नॉकआउट राउंड में पहुंचेगी। इस टूर्नामेंट का फाइनल 2 फरवरी को खेला जाएगा। भारत ने 2023 में शेफाली वर्मा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका में यह टूर्नामेंट जीता था । उस टीम में टिटास साधू, श्वेता सेहरावत, पार्श्वी चोपड़ा और अर्चना देवी जैसे खिलाड़ी थे जो सीनियर स्तर पर खेल रहे हैं। इस साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप को देखते हुए निकी प्रसाद की कप्तानी वाली टीम इस मौके को भुनाने की पूरी कोशिश करेगी । प्रमुख खिलाड़ियों में हैदराबाद की तृषा जी शामिल है जिन्होंने शीर्षक्रम में शानदार प्रदर्शन करके पिछले महीने अंडर 19 विश्व कप में भारत की जीत की नींव रखी थी। उनके अलावा टीम में स्पिनर पारूनिका सिसोदिया, सोनम यादव और आयुषी शुक्ला भी हैं

# घरेलू क्रिकेट खेलना सबसे अच्छा तरीका: युवराज सिंह

**नई दिल्ली.**

भारत के पूर्व बल्लेबाज युवराज सिंह का मानना है कि फॉर्म से जूझ रहे खिलाड़ी को राष्ट्रीय टीम में अपने कद की परवाह किए बिना हमेशा घरेलू क्रिकेट में खेलना चाहिए। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे स्टार खराब फॉर्म में हैं जिससे इस बात पर बहस चल रही है कि उन्हें रणजी ट्रॉफी मैचों में खेलना चाहिए या नहीं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा जिससे रोहित और कोहली के लाल गेंद की फॉर्म हासिल करने के लिए रणजी ट्रॉफी में खेलने की बात चल रही है। दोनों बल्लेबाज पांच टेस्ट मैचों के दौरान रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे, विशेषकर रोहित, जिन्होंने सिडनी में अंतिम टेस्ट के लिए खुद नहीं खेलने का फैसला किया।

'सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग' के लांच कार्यक्रम के दौरान युवराज ने पीटीआई के सवाल के जवाब में कहा, ''घरेलू क्रिकेट महत्वपूर्ण है। मैंने हमेशा महसूस किया है कि अगर आपके पास समय है और अगर आप अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो आपको निश्चित रूप से घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री और यहां तक कि भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी भारत के लगातार टेस्ट श्रृंखला गंवाने के बाद घरेलू क्रिकेट के महत्व के बारे में बात की है। रोहित 23 जनवरी से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी मुकाबलों से पहले मुंबई के अभ्यास सत्रों में शामिल हुए, वहीं कोहली ने अभी तक दिल्ली के लिए घरेलू वापसी के कोई संकेत नहीं दिए हैं। ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल जैसे अन्य स्टार खिलाड़ियों ने अपनी घरेलू टीमों में खेलने के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है।

# राउंड ऑफ 16 में पहुंची बेनसिक

नई दिल्ली. पूर्व विश्व नंबर 1 नाओमी ओसाका के चोटिल होने के कारण बेलिंडा बेनसिक ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के राउंड ऑफ 16 में प्रवेश कर लिया। ओसाका के हटने से पहले बेनसिक ने पहला सेट 7-6 (3) से जीता था। अपनी बेटी बेला को जन्म देने के बाद से अपना पहला ग्रैंड स्लैम खेल रही 27 वर्षीय बेनसिक 2023 यूएस ओपन के बाद से किसी मेजर में अपने पहले राउंड ऑफ 16 में पहुंची हैं। कोर्ट से बाहर निकलने से पहले, बेनसिक ने कैमरे के लेंस पर एक संदेश लिखा, "जल्दी ठीक हो जाओ, मां।"

2016 ओलंपिक चैंपियन का सामना चौथे दौर में विश्व नंबर 3 कोको गॉफ या लेयला फर्नांडीज से होगा, जहां वे 2021 यूएस ओपन के बाद से अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने की कोशिश कर रही हैं। 2022 मियामी ओपन के बाद से अपनी पहली भिड़ंत में, ओसाका ने मजबूत शुरुआत की, शुरुआती सेट में 5-3 की बढ़त बनाई। हालांकि, उसने स्पष्ट असुविधा को संभालने के लिए अपनी सर्विस मोशन को बदलना शुरू कर दिया। ओसाका द्वारा मेडिकल टाइमआउट लेने से पहले बेनकिक ने ब्रेक बैक किया और सर्विस को बनाए रखा। इसके बाद बेनकिक ने एक शांत टाईब्रेक खेला, 57 मिनट के बाद इसे 7-3 से जीत लिया।

ओसाका साफ संघर्ष करती हुई दिख रही थीं, रिटायर होने का फैसला करने से पहले अपनी कुर्सी पर चली गईं। जापानी स्टार ने ऑकलैंड में एएसबी क्लासिक के फाइनल में पहुंचकर अपने 2025 सीज़न की शुरुआत की थी, लेकिन पेट की चोट के कारण फाइनल में रिटायर हो गई। यह ओसाका का लगातार तीसरा टूर्नामेंट रिटायरमेंट है, पीठ की चोट के बाद जिसने गॉफ के खिलाफ चाइना ओपन में अपने 2024 सीज़न को समाप्त कर दिया। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले, ओसाका ने पेट की चोट के स्कैन के परिणाम "शानदार" नहीं होने के बावजूद सीज़न-ओपनर ग्रैंड स्लैम में पहले दौर का मैच खेलने का विश्वास व्यक्त किया था।

ऑस्ट्रेलियन ओपन की शुरुआत से पहले ओसाका ने कहा था, "मैं आम तौर पर बहुत ईमानदार हूं, लेकिन मैं शायद आपके सवाल का ईमानदारी से जवाब नहीं दूंगी। एमआरआई, यह शानदार नहीं था, लेकिन साथ ही यह बुरा भी नहीं था। मैं अपना मैच खेलने को लेकर काफी आश्वस्त हूं। मेरा मतलब है, मैं निश्चित रूप से अपना मैच खेलने जा रही हूं, और मैं यहां पिछले दो दिनों से काफी अच्छा अभ्यास कर रही हूं।"

# सबालेंका ऑस्ट्रेलियाई ओपन के चौथे दौर में पहुंचीं

**नई दिल्ली.**

दो बार की गत चैंपियन एरिना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना विजय अभियान आगे बढ़ाते हुए क्लारा टाउसन को हराकर चौथे दौर में प्रवेश कर लिया, जबकि पेट में चोट के कारण नाओमी ओसाका को कोर्ट छोड़ना पड़ा। सबालेंका ने अपना मुकाबला 7-6, 6-4 से जीता। इस सत्र में यह सबालेंका की लगातार आठवीं और मेलबर्न पार्क पर लगातार 17वीं जीत थी। उन्होंने दस दिन पहले ब्रिसबेन इंटरनेशनल जीता था। भारत के रोहन बोपन्ना और चीन की शुआइ झांग की जोड़ी आस्ट्रेलियाई ओपन मिश्रित युगल में इवान डोडिज और क्रिस्टिना म्लादेनोविच को 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में पहुंच गई।

ओसाका को बेलिंडा बेंचिच के खिलाफ तीसरे दौर के मैच में पहले सेट के आखिर में पेट में दर्द उभरा। उन्होंने टाइब्रेकर में पहला सेट 7-6 से जीतने के बाद कों छोड़ दिया। दो सप्ताह पहले आकलैंड में टाउसन के खिलाफ मैच में एक सेट की बढत बनाने के बाद ओसाका को पेट की चोट के कारण ही कोर्ट छोड़ना पड़ा था।

एक अन्य मैच में अनास्तासिया पेवलियुचेंकोवा ने लौरा सीजमंड को 6-1, 6-2 से मात दी। सीजमंड ने दूसरे दौर में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किंवेन को हराया था। 11वीं वरीयता प्राप्त पाउला बाडोसा ने मार्ता कोस्तियुक को 6-4, 4-6, 6-3 से हराया, जबकि 18वीं वरीयता प्राप्त डोन्ना वेकिच ने 12वीं वरीयता प्राप्त डियाना स्नाइडेर को 7-6, 6-3, 7-5 से मात दी। वहीं 14वीं वरीयता प्राप्त मीरा आंद्रीवा ने मेगडालिना फ्रेच को 6-2, 1-6, 6-2 से हराया।

बोपन्ना और झेंग की जोड़ी अगले दौर में

पुरूष युगल के पहले ही दौर से बाहर होने के बाद दुनिया के पूर्व नंबर एक युगल खिलाड़ी बोपन्ना ने एक घंटे 12 मिनट तक चले इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। अब बोपन्ना और झांग का सामना अमेरिका के टेलर टाउनसेंड और मोनेगास्क के हुगो निस और आस्ट्रेलिया के वाइल्ड कार्ड धारक मेडिसन इंगलिस और जैसन कुबर के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। बोपन्ना 2023 में सानिया मिर्जा के साथ यहां फाइनल में पहुंचे थे। वह 2024 ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मैथ्यू एबडेन के साथ खिताबी जीत के बाद युगल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे थे।

# आज देंगे लाखों लोगों को तोहफा

## > स्वामित्व योजना के जरिए बांटेंगे लाखों संपत्ति कार्ड

**नई दिल्ली.**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज देश के 230 से अधिक जिलों के लगभग 50,000 गांवों में संपत्ति मालिकों को 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड बांटने वाले हैं. पीएम द्वारा यह संपत्ति कार्ड प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत बांटे जाएंगे. यह संपत्ति कार्ड दोपहर लगभग 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बांटे जाएंगे. 230 से अधिक जिलों में बांटे जाने वाले ये संपत्ति कार्ड दिल्ली समेत कई राज्यों में बांटे जाएंगे. इसमें दिल्ली के 31 गांव शामिल हैं और साउथ दिल्ली के 16 से अधिक गांव शामिल हैं.

प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत अब तक 3.17 लाख से अधिक गांवों में ड्रोन सर्वे पूरा हो गया है.

जितने गांवों का लक्ष्य रखा गया था, उसके 92 फीसदी गांवों का सर्वे हो गया है. वहीं, 1.53 लाख गांवों के लिए करीब 2.25 करोड़ संपत्ति कार्ड तैयार कर लिए गए हैं. स्वामित्व योजना में जमीन का मालिकाना हक ड्रोन सर्वे और दूसरी आधुनिक तकनीक को इस्तेमाल करके तय किया जाता है. इस योजना का मुख्य उद्देश्य जमीन के विवादों को कम करना है.

**स्वामित्व योजना 2021 में पीएम द्वारा शुरू की गई थी**

प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना साल 2021 में पीएम द्वारा शुरू की गई थी. इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन के रिकॉर्ड को डिजिटल तरीके से तैयार किया जाता है. इस योजना के तहत लोगों को जमीन के मालिकाना हक का अधिकार दिया जाता है, जिससे भूमि विवादों को कम किया जा सके. इसके अलावा इस योजना से जमीन का मालिकाना हक स्पष्ट होता है, जिससे किसानों को लोन लेने में आसानी होती है.

## परेड में पहली बार साथ निकलेगी आर्मी-नेवी और एयरफोर्स की झांकी

**नई दिल्ली. भारत के गणतंत्र दिवस समारोह के इतिहास में पहली बार थलसेना, नौसेना और वायुसेना की अलग-अलग झांकियां नहीं होंगी. एक बड़ा बदलाव के साथ इस साल तीनों सेनाओं की संयुक्त झांकी पर फोकस होगा, जिसमें सशस्त्र सेनाओं के बीच एकजुटता और तालमेल की थीम पर जोर दिया जाएगा.**

# राहुल गांधी ने एम्स में मरीजों से मुलाकात की

## सरकार पर असंवेदनशीलता का आरोप लगाया

**नई दिल्ली.**

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी गुरुवार देर रात दिल्ली के एम्स अस्पताल के बाहर पहुंचे। उन्होंने अस्पताल के के आसपास सड़कों, फुटपाथों और सबवे पर डेरा डाले कई मरीजों और उनके परिवारों से मुलाकात की राहुल ने केंद्र और दिल्ली सरकार पर उनके प्रति असंवेदनशीलता दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों की समस्याओं और शिकायतों के बारे में जानकारी ली। 'बीमारी का बोझ, ठिठुराने वाली सर्दी और सरकारी असंवेदनशीलता। आज मैं एम्स के बाहर मरीजों और उनके परिवारों से मिला, जो दूर-दराज से इलाज की आस में आए हैं।' गांधी ने कहा, 'इलाज की राह में वे सड़कों, फुटपाथों और सबवे पर सोने को मजबूर हैं-ठंडी जमीन, भूख, और असुविधाओं के बीच भी बस उम्मीद की एक लौ जलाए बैठे हैं। केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों, जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह से नाकाम रहे हैं। इसके अलावा कांग्रेस ने भी राहुल गांधी की तस्वीरें शेयर की हैं। कांग्रेस ने एक्स पर लिखा, 'नेता विपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली के बाहर मरीजों और उनके परिवार से मुलाकात की। दूर-दराज से इलाज के लिए आए लोग यहां सड़कों, फुटपाथ और सबवे पर सोने को मजबूर हैं। मोदी सरकार और दिल्ली की सरकार ने इन्हें अपने हाल पर छोड़ रखा है। अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ रखा है।'

# सुप्रीम कोर्ट में आंतरिक शिकायत समिति का गठन

**न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना बने अध्यक्ष**

**नई दिल्ली.**

सुप्रीम कोर्ट ने लैंगिक संवेदनशीलता और आंतरिक शिकायत समिति का दोबारा गठन किया है। 11 सदस्यीय समिति का अध्यक्ष न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना को बनाया गया है। इसके अलावा समिति में न्यायमूर्ति नोंगमईकापम कोटिश्वर सिंह और ओएसडी सुजाता सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी, लिज़ मैथ्यू और बांसुरी स्वराज शामिल हैं।

अधिवक्ता नीना गुप्ता, सौम्यजीत पाणि और साक्षी बंगा भी समिति का हिस्सा हैं। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट बार क्लकर्स एसोसिएशन की प्रतिनिधि मधु चौहान और यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो सेंटर इन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक डॉ. लेनी चौधरी भी समिति की सदस्य हैं। इनको मुख्य न्यायाधीश ने नामित किया है।

# मॉस्को पहुंचे ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन

## व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि पर किए हस्ताक्षर

**तेहरान.**

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन शुक्रवार को एक व्यापक सहयोग संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए रूस पहुंच गए हैं। बता दें कि, ईरान इन दिनों बढ़ती आर्थिक समस्याओं और अन्य चुनौतियों से जूझ रहा है। आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, क्रेमलिन की दीवार पर अज्ञात सैनिक की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद, मसूद पेजेशकियन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत की। जुलाई में मसूद पेजेशकियन के चुनाव के बाद से व्लादिमीर पुतिन की तीसरी मुलाकात है। वहीं क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि दोनों नेताओं की तरफ से हस्ताक्षरित 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि' में व्यापार और सैन्य सहयोग से लेकर विज्ञान, शिक्षा और संस्कृति तक सभी क्षेत्र शामिल हैं। यह हस्ताक्षर 20 जनवरी को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले हुआ है, जिन्होंने यूक्रेन में शांति स्थापित करने और ईरान के प्रति कड़ा रुख अपनाने का संकल्प लिया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने ट्रंप के शपथ ग्रहण से किसी भी तरह के संबंध को खारिज करते हुए कहा कि हस्ताक्षर की योजना बहुत पहले ही बना ली गई थी।

# अमेरिका ने एच-1बी वीजा में बड़े बदलाव

**वाशिंगटन.** अमेरिका ने शुक्रवार से अपने एच-1बी वीजा प्रोग्राम में बड़े बदलाव किए हैं। एच-1बी वीजा ही दुनियाभर के कुशल पेशेवरों को अमेरिका में रहने और काम करने की सुविधा देता है। भारतीय पेशेवरों को इस एच-1बी वीजा से बहुत फायदा मिलता है और इसकी वजह से ही लाखों भारतीय अमेरिका में काम कर रहे हैं। यकीनन इन बदलावों का भारतीय पेशेवरों पर भी असर पड़ेगा। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा अमेरिका की आव्रजन नीति में यह आखिरी सुधार है क्योंकि 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं।

एच-1बी वीजा का संचालन यूनाइटेड स्टेट्स सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज द्वारा किया जाता है। साल 2023 में अमेरिका ने जितने भी H-1B वीजा जारी किए थे, उनका लाभ पाने वाले 70 प्रतिशत पेशेवर भारतीय ही थे। माना जा रहा है कि नए बदलावों से भारतीयों को फायदा मिल सकता है। किसी संगठन द्वारा बड़ी संख्या में एच-1बी वीजा आवेदन न किए जाएं, इस पर रोक के लिए नियमों को बेहतर किया गया है ताकि सभी को मौके मिल सकें।

# जल्लीकट्टू में सात लोगों ने गंवाई जान

## 130 घायल, दो बैलों की भी मौत

**नई दिल्ली.**

तमिलनाडु में कानुम पोंगल के दिन आयोजित रोमांच और जोखिम से भरा जल्लीकट्टू और मंजुविरट्टू कार्यक्रमों में सात लोगों की मौत हो गई। अलग-अलग घटनाओं में दो बैलों की भी मौत हो गई। एक बैल की मौत पुदुक्कोट्टई में कार्यक्रम के दौरान हुई। पुलिस ने बताया कि बैल और बैल के मालिक की मौत शिवगंगा में सिरावायल मंजुविरट्टू में हुई। इन कार्यक्रमों में कम से कम 130 लोग घायल हो गए. शिवगंगा के सिरावायल में मंजुविरट्टू कार्यक्रम में नादुविकोट्टई कीला अवनधिपट्टी गांव के तनीश राजा अपने बैल को लेकर आए थे। अखाड़े से भागते समय कंबनूर में एक खेत के कुएं में गिरने के कारण बैल और तनीश राजा की मौत हो गई। अपने बैल को बचाने के लिए तनीश राजा कुएं में कूद गए, लेकिन पानी में डूबने के कारण दोनों की मौत हो गई। देवकोट्टई के एक दर्शक सुब्बैया को बैल ने सींग मार दिया। अस्पताल ले जाने के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि वाडीपट्टी के पास मेट्टुपट्टी गांव के 55 वर्षीय दर्शक पी पेरियासामी को मदुरै के अलंगनल्लूर में एक बैल ने गर्दन में सींग मार दी। उन्हें मदुरै के राजाजी सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बैल ने कई लोगों पर हमला किया, जिसमें कम से कम 70 लोग घायल हो गए। तिरुचिरापल्ली, करूर और पुदुकोट्टई जिलों में जल्लीकट्टू कार्यक्रम के दौरान बैल ने दर्शकों पर हमला कर दिया। उसने दो दर्शकों को सींग मार दिया और बैल के मालिक समेत 148 लोग घायल हो गए।

# जितनी भारत में हर साल गाड़ियां बिक रहीं उतनी कई देशों की आबादी नहीं: पीएम मोदी

**नई दिल्ली.**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में प्रदर्शनी का अवलोकन किया। पीएम मोदी ने शुक्रवार को ऑटो एक्सपो का उद्घाटन भी किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की ऑटोमोटिव इंडस्ट्री जबरदस्त भी है और भविष्य के लिए तैयार भी है। भारत की ऑटो इंडस्ट्री पिछले साल में लगभग 12 फीसदी की दर से आगे बढ़ी है। इतनी कई देशों की आबादी नहीं है, जितनी भारत में हर साल गाड़ियां बिक रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आप

कल्पना करें को जब भारत विश्व की सबसे बड़ी तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा, तब भारत का ऑटो मार्केट कहां होगा। विकसित भारत की यात्रा मोबिलिटी सेक्टर की भी अभूतपूर्व विस्तार की यात्रा होने वाली है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कभी भारत में गाड़ियां न खरीदने का एक कारण अच्छी और चौड़ी सड़कों का अभाव था। पिछले वर्ष के बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 11 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रखे गए थे। आज भारत में मल्टी लेन हाईवे का, एक्सप्रेसवे का जाल बिछ रहा है।

इससे पहले पीएम मोदी ने कहा कि पिछली बार जब मैं आपके बीच आया था, तब लोकसभा के चुनाव ज्यादा दूर नहीं थे। उस दौरान मैंने आपके सबके विश्वास के कारण कहा था कि अगली बार भी 'भारत मोबिलिटी एक्सपो' में जरूर आऊंगा। देश ने तीसरी बार हमें आशीर्वाद दिया, आप सभी ने मुझे यहां बुलाया, इसके लिए मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं।

# थाने में घुसकर पुलिस गाड़ी को मारी टक्कर

**नई दिल्ली.**

राजस्थान में बेखौफ बदमाशों ने एक प्राइवेट अस्पताल में तोड़फोड़ के बाद हवाई फायर कर दहशत फैलाई. यही नहीं, मौके पर बदमाशों को पकड़ने पहुंची पुलिस को भी उल्टे पांव भागना पड़ा. इतना ही नहीं, कैंपर सवार बदमाशों ने अस्पताल से लेकर थाने तक पुलिस जीप का पीछा किया और जब जीप रुकी नहीं तो थाने में घुसकर उसे टक्कर मार कानून व्यवस्था का मखौल उड़ा कर रख दिया. खुद पुलिस बदमाशों के आगे लाचार नजर आई, जिसका फायदा उठाते हुए बदमाशों ने जमकर आधे घंटे तक आंतक मचाया.

हालात ऐसे ख़ौफ़नाक बन गए तो तीन थानों की पुलिस बुलाई गई. थाने के बाहर आरएसी के जवान तैनात किए गए. घटना झुंझुनूं के सुलताना कस्बे की है. जहां जोड़िया रोड स्थित हरनारायण अस्पताल में घुसे बदमाशों ने गाड़ी को इधर-उधर दौड़ाकर दहशत फैलाई और वहां से चले गए. इनके जाने के बाद अस्पताल संचालक नगेश धनखड़ ने पुलिस को सूचना दी. इस पर सुलताना थाने का स्टाफ मौके पर पहुंचा और पुलिस पूछताछ कर रही थी, उसी दौरान बदमाश फिर से गाड़ी लेकर अस्पताल में घुस गए. लोहे के सरियों से अस्पताल में तोड़फोड़ करने लगे. यहां तक कि बदमाशों ने जो भी बीच में आया उसे पीटा, जिसमें मरीज और अस्पताल कर्मचारी घायल हो गए. यह पूरा घटनाक्रम पुलिस के सामने हुआ.जब पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो बदमाशों ने हवाई फायर शुरू कर दिए और कारों में सवार होकर वहां खड़ी गाड़ियों को टक्कर मारने लगे. तो पुलिस के जवानों के हाथ-पांव फूल गए और वे जान बचाने के लिए अपनी गाड़ी स्टार्ट कर वहां से जाने लगे तो बदमाशों ने उनका पीछा किया.

# लॉस एंजिलिस के बाद थम नहीं रहा सिलसिला

**मॉस लैंडिंग.**

दुनिया के सबसे बड़े बैटरी भंडारण संयंत्रों में से एक में बृहस्पतिवार दोपहर भीषण आग लग जाने के कारण सैकड़ों लोगों को वहां से हटने का आदेश दिया गया है। आग की वजह से उत्तरी कैलिफोर्निया में राजमार्ग एक का एक हिस्सा बंद कर दिया गया है। मर्करी न्यूज की खबर के अनुसार, आग की लपटें और काला धुआं उठता हुआ नजर आ रहा है और इसमें कमी आने के कोई संकेत नहीं दिखे रहे हैं।

आग के कारण लगभग 1,500 लोगों को मॉस लैंडिंग और एल्कहॉर्न स्लौ क्षेत्र को खाली करने का निर्देश दिया गया है। सैन फ्रांसिस्को से लगभग लगभग 124 किलोमीटर दक्षिण में स्थित मॉस लैंडिंग पावर प्लांट का स्वामित्व टेक्सास की कंपनी विस्ट्रा एनर्जी के पास है और इसमें हजारों लिथियम बैटरियां हैं।

# जांच अब भी अधूरी, पीड़ित डॉक्टर के माता-पिता ने कहा

**नई दिल्ली.**

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले में सियालदाह कोर्ट शनिवार को फैसला सुनाएगी। कोर्ट के फैसले से एक दिन पहले पीड़ित जूनियर डॉक्टर के माता-पिता ने आरोप लगाया कि मामले की जांच आधी अधूरी है। अपराध में शामिल अन्य लोग खुलेआम घूम रहे हैं। पीड़िता के माता-पिता ने कहा कि वे तब तक लड़ाई जारी रखेंगे, जब तक

उनकी बेटी को न्याय नहीं मिल जाता।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में नौ अगस्त को ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले में पुलिस ने नागरिक स्वयंसेवक काम करने वाले संजय रॉय को गिरफ्तार किया था। हाईकोर्ट के आदेश के बाद जांच पुलिस से सीबीआई को सौंपी गई। सीबीआई ने आरोपी संजय रॉय के लिए मौत की सजा की मांग की। सियालदह कोर्ट के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने इस मामले में सुनवाई नौ जनवरी को पूरी कर ली थी और शनिवार को फैसला सुनाया जाएगा। पीड़ित डॉक्टर की मां ने कहा कि संजय राय दोषी है और कल उसके खिलाफ फैसला सुनाया जाएगा। लेकिन अन्य अपराधियों का क्या हुआ? जिनको अब तक पकड़ा नहीं गया है। मैंने देखा है कि वे खुलेआम घूम रहे हैं। मैंने उनको अस्पताल में घूमते देखा है। इसलिए मैं कह रही हूं कि जांच आधी-अधूरी है।

# फारूक अब्दुल्ला के काफिले की गाड़ी का एक्सीडेंट

**अजमेर.**

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के काफिले की गाड़ी हादसे का शिकार हो गई है। जानकारी के मुताबिक, राजस्थान के अजमेर जाते वक्त फारूक अब्दुल्ला के काफिले की गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया है। दौसा के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर रास्ते में नीलगाय के टकराने से फारूक अब्दुल्ला के काफिले में मौजूद दिल्ली पुलिस की एस्कॉर्ट गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई है। हालांकि, इस हादसे में नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता पूरी तरह से सुरक्षित बच गए। उन्हें कोई चोट नहीं आई और अजमेर पहुंचकर उन्होंने दरगाह में प्रार्थना की। हादसा दोपहर 12 बजे के करीब हुआ था। हादसे का शिकार हुई कार के दो एयरबैग खुल गए थे। हालांकि, किसी को गंभीर चोट नहीं आई।

# बिहार में नहीं होगी बीपीएससी की पुर्नपरीक्षा

## > पटना हाईकोर्ट ने किया परीक्षा रद्द करने से इंकार

**नई दिल्ली.**

बीपीएससी की 70 वीं प्रारंभिक परीक्षा को दोबारा कराए जाने की मांग कर रहे अभ्यर्थियों को करारा झटका लगा है. पटना हाईकोर्ट ने परीक्षा रद्द करने या रिजल्ट पर रोक लगाने से इंकार कर दिया है. कोर्ट ने बिहार सरकार और बीपीएससी से इस मामले में 30 जनवरी तक विस्तार से जवाब मांगा है. मामले की अगली सुनवाई 31 जनवरी को होगी.

बीपीएससी परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होने का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थी दोबारा परीक्षा कराए जाने की मांग कर रहे हैं. पिछले कई दिनों से पटना में इसे लेकर प्रदर्शन चल रहा था. इसमें जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर भी शामिल हुए थे. इसी मामले को लेकर पटना हाईकोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई. तकरीबन एक घंटे चली बहस के बाद पटना हाईकोर्ट के जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल की बेंच ने परीक्षा रद्द करने या रिजल्ट पर रोक लगाने से इंकार कर दिया.जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल की बेंच ने बीपीएससी री एग्जाम की मांग के मामले में तकरीबन एक घंटे तक सुनवाई की. इस दौरान सरकारी वकील पीके शाही और जनसुराज के वकील वाईबी गिरि ने अपना-अपना पक्ष रखा. मामले की सुनवाई के बाद जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल ने फैसले में कहा कि जिस पेपर लीक का दावा किया जा रहा है वो तथ्यों को देखने के बाद बिल्कुल आधारहीन समझ आता है.

### कोर्ट ने 30 जनवरी तक मांगा जवाब

पटना हाईकोर्ट के जस्टिस अरविंद चंदेल की बेंच ने मामले में बिहार सरकार और बीपीएससी से 30 जनवरी तक जवाब मांगा है. खास बात ये है कि कोर्ट ने सरकार और आयोग से उन्हीं बिंदुओं के आधार पर जवाब मांगा है जो आरोप याचिकाकर्ताओं की ओर से लगाए हैं. वकील अशोक कुमार ने बताया कि कोर्ट ने रिजल्ट को नहीं रोका है, हालांकि आयोग का पक्ष पहले चुना जाएगा. अगर पक्ष सही हुआ तो रिजल्ट लागू कर दिया जाएगा.

**4 लाख अभ्यर्थी हुए थे शामिल**

बीपीएससी की परीक्षा में तकरीबन 4 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे. हालांकि पेपर लीक का आरोप लगाकर अभ्यर्थियों ने हंगामा किया था. कई अभ्यर्थी इसे लेकर अनशन पर भी बैठ गए थे. जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने इसका समर्थन किया था. प्रशांत किशोर की पार्टी की ओर से ही पटना हाईकोर्ट में इसे लेकर याचिका दायर की गई थी. इसके अलावा खान सर ओर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने भी याचिका दायर की थीं.

# गाजा में इजराइल के हमले में 100 लोगों की मौत

**नई दिल्ली.**

सीजफायर समझौते की घोषणा के बाद एक बार फिर से जंग छिड़ गई है. इजराइल ने गाजा में फिर से हवाई हमला कर दिया. इस हमले में मरने वालों की संख्या अब तक 100 पहुंच चुकी है. मरने वालों में कई बच्चे और महिलाएं शामिल हैं. इजराइल और हमास के बीच सीजफायर समझौते की घोषणा बुधवार को हुई थी. कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल सानी ने इसकी घोषणा की थी.15 महीने से जारी विनाशकारी युद्ध को खत्म करने और कई इजराइली बंधकों की रिहाई के लिए इस सीजफायर की घोषणा हुई थी.मगर इसके अगले ही दिन यानी गुरुवार को इजराइल ने गाजा में एयर स्ट्राइक कर दी. अल सानी ने कहा कि इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम समझौता रविवार 19 जनवरी से लागू होगा. मगर इजराइल ने इससे पहले ही इसका उल्लंघन कर दिया.

सीजफायर समझौते की घोषणा के बाद ऐसा लग रहा था कि हमास और इजराइल के बीच पिछले 15 महीनों से चल रही जंग अब खत्म हो जाएगी लेकिन ऐसा हुआ नहीं. जबकि संघर्ष विराम समझौते पर दोनों ने सहमति जताई थी. नवंबर 2023 में इजराइल और हमास के बीच सात दिनों के लिए संघर्ष विराम हुआ था. इस दौरान गाजा से 100 से अधिक बंधकों को रिहा किया गया था.

# राजनीतिक और वैचारिक लड़ाई की जरूरत

## > प्रकाश करात का बड़ा बयान बयान

**नई दिल्ली.**

माकपा नेता प्रकाश करात ने शुक्रवार को कहा कि भारत के धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ताने-बाने को कमजोर करने की कोशिश कर रहे ताकतों के खिलाफ एक राजनीतिक और वैचारिक संघर्ष की जरूरत है। कोलकाता में ज्योति बसु सेंटर फॉर सोशल स्टडीज एंड रिसर्च के पहले चरण का उद्घाटन करते हुए करात ने इन ताकतों पर आरोप लगाया कि वे हिंदुत्व को राज्य का आधिकारिक सिद्धांत बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की ताकतों के खिलाफ संघर्ष सिर्फ चुनावी नहीं, बल्कि यह एक विचारधारात्मक और राजनीतिक संघर्ष है।

उन्होंने छह दिसंबर 1992 को अयोध्या में विवादित ढांचे को गिराने के बाद पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु के बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने इन ताकतों को बर्बर कहा था। करात ने कहा कि आज ये ताकतें सत्ता पर काबिज हो गई हैं और हिंदुत्व को राज्य की आधिकारिक विचारधारा बनाने की कोशिश कर रही हैं। अगर आज ज्योति बसु जीवित होते, तो वह धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ताकतों के साथ इन अंधकारमय ताकतों के खिलाफ लड़ाई में आगे होते। उन्होंने बसु की नेतृत्व क्षमता और उनके योगदान को भी सराहा, खासकर पश्चिम बंगाल में वामपंथी और लोकतांत्रिक आंदोलन को आगे बढ़ाने में उनके योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'जहां तक पश्चिम बंगाल का सवाल है, बसु इस बात के उदाहरण थे कि कैसे कम्युनिस्टों को कामकाजी लोगों के हितों को आगे बढ़ाने और वाम और लोकतांत्रिक आंदोलन का निर्माण करने के लिए विधानसभाओं और राज्य सरकारों में काम करना चाहिए। बसु हमारे देश में कम्युनिस्ट और वामपंथी आंदोलन द्वारा की गई प्रगति के प्रतीक थे।